RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:76 ता. 07 सितम्बर 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कुर्ता पायजामा में भी नजर आएंगे नौसेना के जवान, पारंपरिक पहनावा बनेगा नया ड्रेस कोड

नई दिल्ली। देश में इस समय भारत बनाम इंडिया का विवाद जोरों पर है। जी20 मीटिंग को लेकर राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी निमंत्रण पत्र में 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखे जाने के बाद विपक्ष सरकार पर हमलावर है। उसका कहना है कि सरकार देश का नाम बदलने जा रही है। बता दें कि विपक्षियों ने अपने गठबंधन का नाम 'INDIA' रखा है। इसी बीच भारतीय नौसेना के जवानों को पारंपरिक भारतीय परिधानों को पहनने की अनुमति देने की भी चर्चा चल रही है। अगर यह ड्रेस कोड लागू हो जाता है तो भोजनालय और वॉर्डरूम में जवान और अधिकारी भारतीय पोशाक में नजर आएंगे। बता दें कि अब तक सेना में भारतीय परिधानों को पहनने की मंजूरी नहीं थी। नौसेना की तीन दिन की कॉन्फ्रेंस से इतर नेशनल सिविल ड्रेस का भी प्रदर्शन किया गया। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट के सामने इन परिधानों को प्रदर्शित किया गया जिसमें कुर्ता पायजामा, फॉर्मल वेस्टकोट, चूड़ीदार पैजामा और गलाबंद सूट शामिल था। हालांकि अभी इन परिधानों को लेकर कोई फैसला नहीं किया गया है। शीर्ष अधिकारों के सामने विचार के लिए यह मुद्दा जरूर रखा गया है। सेना में अंग्रेजों के जमाने से ही भारतीय परिधानों को अनुमति नहीं है। जवानों के साथ मेहमान भी सेना के भोजनालय में भारतीय परिधान पहनकर नहीं जा सकते। हालांकि पश्चिमी संस्कृति को हटाने में नौसेना सबसे आगे नजर आ रही है। बीते साल दिसंबर में नेवी चीफ ऐडमिरल आर हरि कुमार ने कहा था, प्रधानमंत्री ने लालकिले से पंच प्राण का जिक्र किया। इसमें गुलामी की मानसिकता से मुक्ति भी शामिल था। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने नौसेना के स्वदेशी एनसाइन का भी अनावरण किया जिसमें से लाल रंग के सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटा दिया गया। बीते साल आईएनएस विक्रांत के कमीशन होने के मौके पर यह किया गया था। बीते महीने नौसेना में एक और बड़ा परिवर्तन किया गया है। नौसेना के अधिकारी आम तौर पर अपने पास एक डंडा रखा करते थे जिसे अब नियम से हटा दिया गया है। कहा गया कि यह औपनिवेशिक शासन का प्रतीक था और गुलामी को दर्शाता था।

इंडिया पर कठोर था मुलायम सिंह यादव का रुख, 'भारत' नाम करने का किया था वादा

इंडिया गठबंधन में शामिल कई दलों ने राष्ट्रपति भवन के न्योते में `भारत' लिखे जाने को सरकार का डर बताया है। इस गठबंधन में समाजवादी पार्टी भी शामिल है। इस बीच सपा का ही 2004 का घोषणापत्र है।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन की ओर से जी-20 के डिनर का जो आमंत्रण पत्र भेजा गया है, उसमें प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की बजाय प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा है। इसे लेकर डिबेट शुरू हो गई है कि क्या सरकार देश का नाम बदलना चाहती है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश का नाम बदलने का कोई इरादा नहीं है और भारत नाम हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा है। INDIA गठबंधन में शामिल कई दलों ने राष्ट्रपति भवन के न्योते में 'भारत' लिखे जाने को सरकार का डर बताया है। इस गठबंधन में समाजवादी पार्टी भी शामिल है। इस बीच सपा का ही 2004 का घोषणापत्र इन दिनों वायरल हो रहा है। इस घोषणा पत्र में मुलायम सिंह के नेतृत्व वाली पार्टी ने वादा किया था कि यदि उन्हें सत्ता मिलती है और वह केंद्र में आते हैं तो फिर देश का नाम संविधान में INDIA की बजाय भारत कर दिया जाएगा। इसके अलावा यूपी विधानसभा में भी मुलायम सिंह यादव ने कहा था कि वह चाहते हैं कि देश का नाम भारत कर दिया जाए। मुलायम सिंह यादव खुद को समाजवादी नेता

इस गठबंधन में समाजवादी पार्टी भी शामिल है। इस बीच सपा का ही 2004 का घोषणापत्र इन दिनों वायरल हो रहा है।

राममनोहर लोहिया की विचारधारा का मानते थे। उसी को आधार बताते हुए उन्होंने कहा था कि देश में अंग्रेजी की बजाय हिंदी को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यही नहीं देश का नाम INDIA की बजाय भारत ही होना चाहिए।

क्यों नाम बदलने के पक्ष में थे यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम

राम मनोहर लोहिया हमेशा अंग्रेजी के प्रभुत्व का विरोध करते थे। उनका कहना था कि अंग्रेजी भाषा के चलते शिक्षित और अशिक्षित के बीच दूरी बढ़ जाती है। उनका कहना था कि अंग्रेजी की वजह से मूल चिंतन प्रभावित होता है। यही नहीं अशिक्षित लोग उन लोगों से दूर हो जाते हैं, जो नीति-निर्माण की भूमिका में होते हैं। इसी को आधार बनाते हुए मुलायम सिंह यादव ने 2004 के सपा के मेनिफेस्टो में कहा था कि देश का नाम INDIA की जगह भारत होना चाहिए। पार्टी का कहना था कि संविधान में देश का नाम INDIA होना एक बड़ी गड़बड़ी है। इसे हटाकर नाम भारत रखना चाहिए, जिससे देश के गौरव को वापस पाया जा सके।

INDIA को अंग्रेजों की देन मानते थे मुलायम सिंह यादव

देश का नाम INDIA होने को मुलायम सिंह यादव ने अंग्रेजों की देन बताया था। सपा का कहना था कि 200 सालों के अंग्रेजी शासन में देश का नाम भारत से बदलकर INDIA हो गया था, जबकि हमारे देश की पहचान हमेशा भारत नाम से रही है। उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री रहते हुए मुलायम सिंह यादव ने कई बार यह बात दोहराई थी। गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव अंग्रेजी को बढ़ावा देने के खिलाफ थे और उनका मानना था कि मातृभाषा में ही पढ़ाई होनी चाहिए। इससे लोगों में भेद कम होगा और मूल चिंतन को बढ़ावा मिलेगा।

अंग्रेजों से इतनी दिक्कत है तो राष्ट्रपति भवन खाली कर दें

इंडिया बनाम भारत पर अधीर रंजन का निशाना

नई दिल्ली। देश में भारत बनाम इंडिया नाम को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी जारी है। इस सबके बीच लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने केंद्र सरकार को दो टूक जवाब दिया है। चौधरी का कहना है कि अगर अंग्रेजों से इतनी ही समस्या है तो राष्ट्रपति भवन खाली करें। साथ ही नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक को भी उड़ा दें। अधीर रंजन ने कहा, राष्ट्रपति भवन तब वायसराय का घर हुआ करता था। वहीं, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के संविधान में इंडिया दैट इज भारत लिखा है, वाले बयान पर राजद

सांसद मनोज झा ने कहा, मैं विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को मेरे साथ आकर संविधान पढ़ने के लिए आमंत्रित करता हूं। इंडिया दैट इज भारत अनुच्छेद 1 है। हमने उन्हें 19 जुलाई से पहले ऐसा कुछ भी कहते नहीं सुना था। अगर हम और संक्षिप्तीकरण करें और गठबंधन का नाम बदलकर INDIA भारत कर दें तो जयशंकर क्या करेंगे।

राष्ट्रपति भवन में जी 20 शिखर सम्मेलन के रात्रिभोज का निमंत्रण 'भारत के राष्ट्रपति' के नाम से भेजे जाने पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) सांसद संजय राउत ने भी पलटवार किया है। उन्होंने कहा, 'यह डर है, जबसे इस देश के प्रमुख दलों ने INDIA गठबंधन बनाया, जब से हमने अपने गठबंधन का नाम INDIA रखा है तब से इन लोगों को अपने देश से ही डर लगने लगा है। आप क्या-क्या बदलेंगे। इंडिया संविधान द्वारा दिया हुआ नाम है, आपको इसे बदलने का अधिकार किसने दिया?

यूरोप दौरे पर रवाना हुए राहुल गांधी

5 दिन में 4 देशों की यात्रा करेंगे; भारत जोड़ो यात्रा की सालगिरह कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार देर रात यूरोप दौरे के लिए रवाना हुए। वो 6 सितंबर से 10 सितंबर (5 दिन) तक 4 यूरोपीय देशों- फ्रांस, बेल्जियम, नीदरलैंड्स और नॉर्वे की यात्रा करेंगे। इस दौरान राहुल गांधी यूरोपियन यूनियन के मेंबर्स और भारतीय समुदाय के लोगों और यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स के साथ बातचीत करेंगे। राहुल गांधी का ये दौरा ऐसे समय हो रहा है जब देश की राजधानी दिल्ली में ह20 समिट हो रही है। वो समिट खत्म होने के एक दिन बाद 11 सितंबर को भारत लौटेंगे। वहीं, भारत जोड़ो यात्रा का एक साल पूरा होने पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। वो इन कार्यक्रमों में शामिल नहीं होंगे। गांधी ने पिछले साल यानी 7 सितंबर

2022 को कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी। ये 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 4,000 किलोमीटर की यात्रा करने के बाद 30 जनवरी को श्रीनगर में खत्म हुई थी।

राहुल गांधी के यूरोप दौरे के कार्यक्रम .

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 7 सितंबर को गांधी बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन के मेंबर्स से मिलेंगे। इसी तरह की एक मीटिंग वो द हेग में भी करेंगे। वो मानवाधिकारों पर यूरोपीय संसद की उपसमिति के अध्यक्ष उडो बुलमैन के साथ भी बैठक करेंगे।

8 सितंबर को वो फ्रांस की राजधानी पेरिस में यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स को संबोधित करेंगे।

9 सितंबर को पेरिस में फ्रांस के लेबर यूनियन की बैठक में भी हिस्सा लेंगे।

10 सितंबर को गांधी नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करेंगे। विदेश मंत्री, विपक्ष के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एर्ना सोलबर्ग से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वो सांसदों और बिजनेस लीडर्स के साथ भी बैठकें करेंगे।

राहुल गांधी जी20 शिखर सम्मेलन खत्म होने के अगले दिन यानी 11 सितंबर को भारत वापस लौटेंगे। जी20 समिट 9-10 सितंबर को दिल्ली में होगी।

एसपीजी डायरेक्टर अरुण कुमार सिन्हा का निधन, लीवर में थी दिक्कत

हाल ही में बढ़ाई गई थी सेवा

नई दिल्ली। स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स के डायरेक्टर अरुण कुमार सिन्हा का बुधवार को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। लीवर में परेशानी के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह 61 साल के थे। 1988 बैच के केरल कैडर के आईपीएस अधिकारी को हाल ही में सेवा में एक साल का विस्तार दिया गया था। वह 2016 से ही एसपीजी डायरेक्टर के पद पर थे। अरुण कुमार सिन्हा अपने करियर में कई अहम पदों पर रहे। वह केरल के डीसीपी कमिश्नर, इंटेलिजेंस आईजी और तिरुवनंतपुरम में प्रशासन आईजी के पद पर थे। मालदीव के राष्ट्रपति

● 1988 बैच के केरल कैडर के आईपीएस अधिकारी को हाल ही में सेवा में एक साल का विस्तार दिया गया था। वह 2016 से ही एसपीजी डायरेक्टर के पद पर थे। अरुण कुमार सिन्हा अपने करियर में कई अहम पदों पर रहे। वह केरल के डीसीपी कमिश्नर, इंटेलिजेंस आईजी और तिरुवनंतपुरम में प्रशासन आईजी के पद पर थे।

अब्दुल गयूम की हत्या का मामला सुलझाने के लिए भी उन्हें जाना जाता है। उन्होंने हत्या आरोपी को दिल्ली से पकड़ा था। उस वक्त सिन्हा केरल में ही तैनात थे। उनके काम को देखते हुए सर्विस के दौरान उन्हें कई पुरस्कारों और पदकों से सम्मानित किया गया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर 7 सितंबर को कामारेड्डी बीआरएस नेताओं के साथ करेंगे बैठक

कामारेड्डी। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने 7 सितंबर को प्रगति भवन में बैठक के लिए कामारेड्डी विधानसभा क्षेत्र के पार्टी नेताओं को आमंत्रित किया है। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में केसीआर अपने गजवेल क्षेत्र के अलावा कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र से भी चुनाव लड़ेंगे।

विधायक और सरकारी सचेतक गम्पा गोवर्धन सहित वरिष्ठ बीआरएस नेता भी बैठक में शामिल होंगे। रविवार को हैदराबाद में विधायक गम्पा गोवर्धन के बेटे के विवाह समारोह में कामारेड्डी के बीआरएस नेताओं ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

पार्टी सूत्रों ने कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र के चुनिंदा नेताओं को गुरुवार को प्रगति भवन की बैठक में भाग लेने के लिए सूचित किया।

केसीआर की बेटी ने महिला आरक्षण विधेयक के लिए की पहल

तेलंगाना के मुख्यमंत्री और केसीआर की बेटी के कविता ने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को पत्र लिखा है। निजामाबाद की पूर्व सांसद कविता ने भारतीय संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले 47 राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को पत्र भेजा है। उनसे एकजुट होने और लंबे समय से प्रतीक्षित महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने का आग्रह किया गया।

बड़े नेताओं को किया संबोधित

उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, तेलुगु देशम को पत्र संबोधित किया। पार्टी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार, राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी अन्य बड़े नेताओं को पत्र लिखा है।

मिलेगा महिलाओं को हक

इस पत्र में उन्होंने उनसे राजनीतिक मतभेदों को दूर करने और संसद के आगामी विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। यह बिल में लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं में 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान होगा।

लैंगिक समानता और समावेशी शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होने के बावजूद यह बिल बहुत लंबे समय तक अधर में लटका है। अपने पत्र में कविता ने भारतीय विमर्श में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और विधायी निकायों में उनके प्रतिनिधित्व की तत्काल आवश्यकता को उठाया है।

देशभर में जन्माष्टमी का सेलिब्रेशन, गुजरात के राजकोट में 5 दिन का मेला लगा, जश्न के लिए मथुरा को सजाया गया

नई दिल्ली। देशभर में आज जन्माष्टमी सेलिब्रेशन का पहला दिन है। इस साल जन्माष्टमी 6 और 7 सितंबर दोनों दिन मनाई जाएगी। ग्रंथों के मुताबिक ये भगवान कृष्ण का 5250वां जन्म पर्व है। आज त्योहार मनाए जाने का सिलसिला 6 तारीख की रात से शुरू होगा। ज्योतिषियों का मत है कि कृष्ण जन्मोत्सव 6 की रात ही मनाना चाहिए, क्योंकि इसी रात में तिथि-नक्षत्र का वो ही संयोग बन रहा है, जैसा द्वापर युग में बना था। कृष्ण जन्म के मौके पर उनकी जन्मस्थली मथुरा शहर को सजाया गया है। वहीं, देश के अन्य कृष्ण मंदिरों में भी कृष्ण के जन्म उत्सव की तैयारियां की गई हैं। द्वारका, वृंदावन और मथुरा सहित बड़े कृष्ण मंदिरों में वैष्णव संप्रदाय के मुताबिक 7 तारीख को ये पर्व मनेगा। 7 और 8 की दरमियानी रात 12 बजे श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव होगा। गुजरात के राजकोट में मंगलवार से ही जन्माष्टमी के मौके पर पांच दिन लंबा मेला लगाया गया है। ये मेला 9 सितंबर तक जारी रहेगा। गुजरात के अलावा महाराष्ट्र में भी जन्माष्टमी की धूम शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस साल की दही हांडी के लिए प्रो गोविंदा नाम से एक

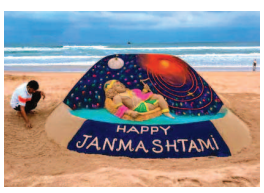

कॉम्पिटीशन आयोजित किया है, जिसमें जीतने वाले को कैश प्राइज दिया जाएगा।

बनारस में 6 को मनेगी जन्माष्टमी

बनारस में जन्माष्टमी 6 सितंबर को ही मनाई जाएगी। हिंदू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के डीन प्रो. गिरिजाशंकर शास्त्री का कहना है कि व्रत और पर्वों की तारीख तय करने के लिए धर्म सिंधु और निर्णय सिंधु नाम के ग्रंथों की मदद ली जाती है। इन दोनों ही ग्रंथों में जन्माष्टमी के लिए कहा गया है कि जब आधी रात में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र हो, तब कृष्ण जन्मोत्सव मनाएं। 6-7 सितंबर की रात में कृष्ण जन्म पर्व मनाएं।

ज्यादातर त्योहार दो दिन क्यों होते हैं?

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हिंदू पंचांग की तिथियां अंग्रेजी कैलंडर के मुताबिक नहीं होतीं। अक्सर तिथियां दोपहर या शाम से शुरू होकर अगले दिन तक होती हैं। जिस तिथि में दिनभर व्रत के बाद पूजन का महत्व होता है, वे ज्यादातर उदया तिथि में मनाई जाती हैं।

जिन तिथियों में रात की पूजा का महत्व ज्यादा होता है, उनमें उदया तिथि का महत्व नहीं देखा जाता। जैसे दीपावली में अगर अमावस्या एक दिन पहले ही शुरू हो गई हो तो अगले दिन उदया तिथि की अमावस्या की बजाय एक दिन पहले की अमावस्या पर रात में लक्ष्मी पूजन किया जाएगा।

दिल्ली में 8 से 10 सितंबर के बीच बंद रहेंगे सभी स्कूल, कॉलेज और कार्यालय

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी आगामी जी20 शिखर सम्मेलन के लिए विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो 8 सितंबर से 10 सितंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। आज, 6 सितंबर को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी मार्लेना ने सभी स्कूलों, कॉलेजों और कार्यालय को बंद करने की जानकारी दी। आतिशी ने कहा, 'जी20 शिखर सम्मेलन के कारण 8 सितंबर से 10 सितंबर तक दिल्ली भर में सभी स्कूल, कॉलेज और कार्यालय बंद रहेंगे।' जी20 शिखर सम्मेलन दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। सरकार ने शिखर सम्मेलन के मद्देनजर लगाए गए प्रतिबंधों और यातायात नियमों के संबंध में अधिसूचना पहले ही जारी कर दी है। आतिशी ने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि हमारा देश ज्ञ20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। मैं प्रगति मैदान में एक भव्य सम्मेलन केंद्र बनाने के लिए केंद्र को बधाई देती हूं जहां जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जी20 शिखर सम्मेलन के लिए दस सड़कों का नवीनीकरण किया गया है और व्यापक सौंदर्यीकरण कार्य किया गया है। दिल्ली सरकार ने घोषणा की है कि दिल्ली के एनसीटी में स्थित केंद्र और राज्य सरकारों के सभी सरकारी और निजी स्कूल, बोर्ड और शैक्षणिक संस्थान 8 से 10 सितंबर तक बंद रहेंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी में स्थित सभी निजी कार्यालय, शैक्षणिक और अन्य संस्थान भी बंद रहेगा।

सनातन धर्म का अपमान : उदयनिधि और प्रियंक खरगे के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रामपुर । सनातन धर्म को लेकर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि और कथित रूप से उनका समर्थन करने वाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे के खिलाफ रामपुर में मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि अधिवक्ता हर्ष गुप्ता और राम सिंह लोधी ने सिविल लाइंस कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया। सूत्रों के मुताबिक, मुकदमे में उदयनिधि और प्रियंक पर धार्मिक भावनाएं भड़काने और समाज में द्वेष फैलाने का आरोप लगा है। मुकदमा दर्ज करवाने वाले अधिवक्ता गुप्ता ने कहा कि चार सितंबर को अखबारों में उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से कर उस खत्म करने की जरूरत बताने संबंधी एक समाचार प्रकाशित हुआ था। गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बेटे प्रियंक खरगे ने उदयनिधि के इस बयान का समर्थन किया था, जिससे संबंधित खबर भी एक राष्ट्रीय हिंदी दैनिक में छपी थी। अधिवक्ता ने कहा कि इससे उसकी भावनाएं आहत हुई हैं, जिसके चलते मुकदमा दर्ज कराया है। तमिलनाडु के युवा कल्याण एवं खेल मंत्री उदयनिधि ने सनातन धर्म को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस संक्रमण, डेंगू और मलेरिया से करते हुए इसे खत्म किए जाने की वकालत की थी।

विशेष सत्र नए भवन में आयोजित हो सकता, मोदी सरकार इसके लिए तैयार

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार द्वारा बुलाया गया संसद का विशेष सत्र नए भवन में आयोजित हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि संसद के इस विशेष सत्र के पहले दिन 18 सितंबर को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही संसद के पुराने भवन में उसी तरह से शुरू होगी जैसा कि पहले हुआ करती थी और विशेष सत्र के दूसरे दिन यानी 19 सितंबर से दोनों सदनों की कार्यवाही नए भवन में हो सकती है। हालांकि इस लेकर अभी तक आधिकारिक स्तर पर कोई घोषणा नहीं की गई है लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार हो रहा है। बता दें कि, अमृत काल के समय में मोदी सरकार ने संसद का यह विशेष सत्र बुलाया है। 18 से 22 सितंबर के दौरान आयोजित होने वाले संसद के विशेष सत्र में 5 बैठकें होंगी। यह 17वीं लोकसभा का 13वां सत्र और राज्यसभा का 261वां सत्र होगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी इस विशेष सत्र को लेकर पहले ही यह उम्मीद जता चुके हैं कि अमृत काल के समय में होने वाले इस सत्र में उन्हें संसद में सार्थक चर्चा और बहस होने की उम्मीद है।

भारतीय वायुसेना जम्मू के हवाई क्षेत्र में एयर शो करेगी, 21 सितंबर को होगा आयोजन

नई दिल्ली । आगामी 21 सितंबर को भारतीय वायुसेना जम्मू हवाईक्षेत्र में एयर शो करने जा रही है। वायुसेना के अधिकारियों का कहना है कि इस एयर शो का आयोजन भारतीय वायुसेना व स्थानीय प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है। एयर शो में लड़ाकू जेट और हेलीकॉप्टर सहित विभिन्न प्रकार के विमान शामिल होंगे। दर्शकों के लिए जिला प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था की जाएगी। यहां इस एयर शो में स्काई-डाइविंग एक अतिरिक्त आकर्षण होगा। जानकारी के मुताबिक, वायुसेना के जांबाज पैराशूट के साथ विमान से हवा में छलांग लगाएंगे। गौरतलब है कि इन दिनों भारतीय वायुसेना ने चीन और पाकिस्तान सीमा के समीप ट्रेनिंग अभ्यास त्रिशूल शुरू किया है। भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले ये ट्रेनिंग अभ्यास काफी मायने रखता है। भारतीय वायुसेना के सबसे बड़े पश्चिमी वायु कमांड का यह सलाना अभ्यास जम्मू कश्मीर के लद्दाख, हिमाचल व पंजाब के क्षेत्रों में 14 सितंबर तक चलेगा। इस अभ्यास में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में वायुसेना के एयरकाफ्ट अपनी तैयारियों का निरीक्षण कर रहे हैं। वायुसेना के साथ-साथ आर्मी भी त्रिशूल अभ्यास का हिस्सा है। वायुसेना के त्रिशूल अभ्यास में हिस्सा ले रहे विमान जम्मू कश्मीर सीमा से लगे हुए लंगेरा, चुराह, सतरुंडी, मंगली, महलनाग क्षेत्रों लड़ाकू विमान उड़ रहे हैं। चीन और पाकिस्तान की सीमा पर उत्तरी क्षेत्र में आयोजित इस अभ्यास में राफेल, मिराज 2,000 समेत लड़ाकू विमानों के साथ चिनूक, अपाचे और भारी-लिफ्ट परिवहन विमान शामिल हैं। इसके साथ ही त्रिशूल अभ्यास के दौरान हेलिकाप्टर्स का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

मणिपुर में हिंसा का दौर जारी, सरकार की नजर में सबकुछ ठीक

नई दिल्ली । वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इंफाल घाटी के सभी पांच जिलों में कर्फ्यू लगाने के बाद मोदी सरकार की आलोचना कर कहा कि पूर्वोत्तर राज्य में चार महीने बाद भी हिंसा का दौर जारी है, लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार की नजरों में स्थिति सामान्य है। दिल्ली में जी-20 की जोरों पर चल रही तैयारियों के बीच केंद्र पर कटाक्ष कर रमेश ने कहा, नई दिल्ली में जी-20 हो रहा है, जबकि इंफाल घाटी के सभी पांच जिलों में अगले पांच दिन पूर्ण कर्फ्यू रहेगा। हिंसा का दौर चार महीने बाद भी जारी है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार के लिए मणिपुर में स्थिति सामान्य है। उनकी यह टिप्पणी एहतियात के तौर पर इम्फाल घाटी के सभी पांच जिलों में अगले पांच दिनों के लिए कर्फ्यू लगाए जाने के बाद आई है। गंभीर कानून-व्यवस्था की समस्याओं की आशंका के कारण, मणिपुर सरकार ने बुधवार को मेइती बहुल पांच घाटी जिलों में कर्फ्यू में ढील रद्द कर दी है। प्रशासन ने कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (सीओसीओएमआई) द्वारा बुलाए गए विरोध मार्च के मद्देनजर बड़े पैमाने पर सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

भाजपा नेता रजा पर लगा दलित नाबालिग से रेप और उसके पिता की हत्या का आरोप

महाराजगंज। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष राही मासूम रजा पर दलित किशोरी के साथ रेप और विरोध करने पर किशोरी के पिता की हत्या करने का मुकदमा दर्ज हुआ है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष रजा के खिलाफ पुलिस ने हत्या व रेप का मुकदमा दर्ज किया है। भाजपा नेता पर आरोप हैं कि शहर में किराए पर रहने वाले संतकबीरनगर जिले के दलित परिवार की बड़ी बेटी के साथ पहले दुष्कर्म किया, जब किशोरी के पिता ने दुष्कर्म करते देख लिया। तब पिता को अनजान जगह ले जाकर उसकी हत्या कर दी। वहीं पूरे मामले में भाजपा नेता ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। पुलिस को तहरीर देकर 17 वर्षीय किशोरी ने बताया कि घटना बीते 28 अगस्त की रात आठ बजे की है। उसका परिवार मेंहदावल क्षेत्र का रहने वाला है। रोजी-रोटी की तलाश में पिता अपनी चार बेटियों व आठ साल के पुत्र के साथ महाराजगंज आया था। किराए के मकान में रहने के दौरान किशोरी का परिवार आरोपी के संपर्क में आ गया।

जी-20 में जो भी प्रतिनिधि शामिल होगा, वह बेहद गंभीर होगा : एस. जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि जी-20 में जो भी प्रतिनिधि शामिल होगा वह अपने देश की स्थिति को गंभीरता से रखेगा। उन्होने यह बात पुतिन और जिनपिंग के जी-20 में शामिल नहीं होने को लेकर कही। बता दें कि भारत की राजधानी दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को जी-20 समिट होने जा रहा है। इसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग हिस्सा नहीं लेंगे। इन दोनों नेताओं के जी-20 समिट में हिस्सा न लेने पर भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुझे लगता है कि जी-20 में अलग-अलग समय पर कुछ ऐसे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री रहे हैं, जिन्होंने किसी वजह से न आने का फैसला किया है। लेकिन उस अवसर पर जो भी उस देश का प्रतिनिधि होता है, वह अपने देश और उसकी स्थिति को सामने रखता है। मुझे लगता है कि हर कोई बहुत गंभीरता के साथ आ रहा है।

दरअसल, भारत में हो रही जी-20 समिट में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल नहीं होंगे।

उनकी जगह चीनी पीएम ली कियांग के नई दिल्ली में 9-10 सितंबर की बैठक में बीजिंग का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। उधर, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह भारत नहीं आ रहे हैं और उनकी जगह विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव जी-20 समिट में हिस्सा लेंगे।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग से जब शी जिनपिंग के भारत न आने की वजह पूछी गई तो उन्होंने कहा, चीनी प्रीमियर ली चियांग भारत में होने वाले जी-20 सम्मेलन में देश का नेतृत्व करेंगे। अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए जी-20 एक अहम मंच है। इस सम्मेलन के कार्यक्रमों में शामिल होना चीन के लिए बेहद अहम है। हालांकि, उन्होंने शी जिनपिंग के भारत न आने के पीछे की वजह नहीं बताई।

भारत और इंडिया विवाद को सत्ता और विपक्ष की मिलीभगत : मायावती

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने देश का नाम भारत और इंडिया विवाद को सत्ता पक्ष और विपक्ष की मिलीभगत बताया है। मायावती का कहना है कि इस लड़ाई के चलते देश के जरूरी मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है। मायावती ने कहा कि संविधान को बदलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि देश के नाम को लेकर अपने संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का मौका भाजपा के एनडीए को खुद विपक्ष ने एक सोची समझी रणनीती के तहत अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखकर दिया है। उन्होंने कहा, कहा जा सकता है कि यह सब सत्ता और विपक्ष अंदरूनी रूप से मिलकर कर रहे हैं, इसकी भी आशंका है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के खिलाफ एनडीए गठबंधन और भाजपा को सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए था। इस मामले में कानून बनाकर संबंधित नाम पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए था। लेकिन जानबूझकर इस पर राजनीति की जा रही है।

मायावती ने कहा, हमारी पार्टी की मांग है कि सुप्रीम कोर्ट को इसका संज्ञान लेकर इसतरह के गठबंधन के नामों पर रोक लगाना चाहिए जो अपने देश के नाम पर बने हैं। संविधान से छेड़छाड़ गलत है, यह सब भाजपा की साजिश है। भीमराव अंबेडकर के संविधान से सभी जाति धर्म के लोगों को लगाव है। इसमें बदलकर भाजपा सबकी भावनाओं को आहत कर रही है। क्या ये न्याय संगत है? विपक्ष ने भी एक रणनीति के तहत अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखा है।उन्होंने कहा, ये जो कुछ भी हो रहा है, वहां सोच समझकर सत्ता पक्ष और विपक्ष कर रहा है। मुझे इसकी आशंका है। सपा की सोच धन्ना सेठ वाली है। ये गरीबों के खिलाफ सोचते हैं।

दस सालों में और बढ़ जाएगी कैंसर की बीमारी, 50 से कम उम्र वालों को ज्यादा खतरा

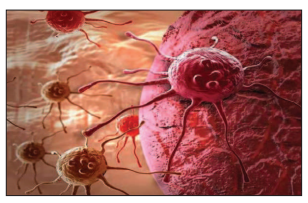

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले दस सालों में दुनिया में कैंसर की बीमारी और अधिक बढ़ जाएगी। शोधकर्ताओं के अनुसार यह बीमारी 50 से कम उम्र वालों को अधिक घेरती है। हालांकि कैंसर को लेकर दुनियाभर में जारी शोध के बावजूद अभी इसे असाध्य रोगों की श्रेणी से बाहर नहीं किया गया है। वहीं हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट पर ध्यान दें तो दुनियाभर में 50 की उम्र के नीचे के लोगों में कैंसर के मामले तेजी से बढ़े हैं। बीते तीन दशकों में कैंसर के मामलों में कुल 79 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ने अपने अध्ययन के आधार पर यह रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट में 2019 तक के आंकड़ों के शामिल किया गया है। इस हिसाब से 1990 से 2019 के बीच कैंसर के मरीज 18.2 करोड़ से बढ़कर 32.6 करोड़ हो गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कैंसर से होने वाली मौत भी इन सालों में 28 फीसदी बढ़ गई है। दुनियाभर के 204 देशों में 29 तरह के कैंसर के मरीजों के बारे में आंकड़ों के आधार पर यह रिपोर्ट प्रकाशित की गई है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नारायण हेल्थ के चेयरमैन डॉ. देवी शेट्टी ने बताया कि इन तीन दशकों में डायग्नोस्टिक टूल्स भी विकसित हुए हैं। इसके अलावा चिकित्सा सुविधाएं बढ़ी हैं। इस वजह से ज्यादा लोग जांच करवाते हैं। पहले बहुत कम ही लोग अस्पतालों तक पहुंच पाते थे। खासकर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग जांच नहीं करवाते थे। उन्होंने कहा कि प्रदूषण, खानपान की आदत और फिजिकल ऐक्टिविटी की कमी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। एक दूसरी स्टडी में कहा गया है कि हाल में आए मामलों में ज्यादातर केस 50 की उम्र के नीचे के हैं। प्रोस्टेट और विंडपाइप कैंसर के मामले तेजी से बढ़े हैं। हर साल लगभग 2.28 फीसदी के दर से ये दोनों तरह के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। वहीं लीवर कैंसर के मामलों में कमी देखी गई है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि अगले 10 साल में कैंसर का रूप और भी विकराल होगा। कैंसर से होने वाली मौतें 21 से 31 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। वहीं 40 साल की उम्र वाले रिस्क जोन में आ सकते हैं। जानकारों का कहना है कि कैंसर के पीछे जेनेटिक फैक्टर के अलावा रेड मीट और नमक, शराब, तंबाकू, गुटखा की वजह से 50 साल से नीचे के उम्र वाले कैंसर का शिकार हो रहे हैं। साल 2022 में भारत में करीब 14.6 लाख कैंसर के केस पाए गए हैं। वहीं 2025 तक यह आंकड़ा बढ़कर 15.7 लाख हो सकता है।

दलाईलामा का संदेश, करुणा पर चलेंगे तो मिलेंगे अच्छे परिणाम

धर्मशाला (एजेंसी)। तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा ने कहा है कि यदि हम करुणा पर चलेंगे तो उसके अच्छे परिणाम हमें मिलेंगे। यह बात उन्होंने एक प्रार्थना सभा के दौरान कही। बता दें कि पर्यटन नगरी मैक्लोडगंज में मुख्य तिब्बती मंदिर त्सुगलाग्खांग में दलाईलामा ने विशेष प्रार्थना रखी। यहां पर दलाईलामा ने दक्षिण पूर्व एशियाई लोगों के एक समूह के अनुरोध पर ऑटोकमैंट्री के संयोजन में चंद्रकीत के मध्य मार्ग में प्रवेश पर पिछले साल के शिक्षण को जारी रखते हुए कहा कि आज विभिन्न परंपराओं के अनुयायी हैं। हम सभी बुद्ध को सम्मान देते हैं, जिन्होंने अतुलनीय योग्यता और ज्ञान एकत्रित करके ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि उनकी वाणी विशेषत- तीन प्रकार के प्राणियों की आवश्यकताओं एवं इच्छाओं की पूर्ति करती है। मूलत- उन्होंने सिखाया कि कैसे हम सभी अच्छे दिल वाले बन सकते हैं। हमें उन कारणों की जांच करनी चाहिए जिनके माध्यम से बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ। हमारे पास भी बुद्ध-प्रकृति है, लेकिन यह अस्पष्ट है कि लोग और घटनाएं स्वतंत्र रूप से मौजूद हैं।

दलाईलामा ने कहा कि एक कारण यह है कि यही वास्तव में मन की शांति को जन्म देता है। उन्होंने आगे कहा कि मनुष्य के रूप में हमारा जन्म चमत्कारिक ढंग से नहीं हुआ है। हमारी माताओं ने हमें जन्म दिया और फिर प्यार और दुलार से हमारा पालन-पोषण किया। इसी वजह से हम में दूसरों को महत्व देने की क्षमता होती है। उन्होंने कहा कि जब हम वास्तव में करुणा विकसित करते हैं, तो हम दूसरों की पीड़ा को असहनीय महसूस करते हैं। यदि हम करुणा और अन्य गुणों का विकास करते हैं तो हम अच्छे परिणाम प्राप्त करेंगे, जबकि अपवित्र आचरण बुरे प्रवास या दुखी इंसान के रूप में जीवन की ओर ले जाता है।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पलटा कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के एक फैसले को पलट दिया। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बेंगलूरु स्थित ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज को जारी 20,989 करोड़ रुपये का नोटिस रद्द कर दिया था। यह नोटिस कंपनी पर जीएसटी चोरी के आरोप से संबंधित था। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले में कई पहलू हैं जिन पर आगे की जांच या विचार की जरूरत है। हाईकोर्ट ने इस साल मई में जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय के ऑर्डर को रद्द कर दिया था। अधिकारियों ने शुरुआत में यह ऑर्डर पिछले साल सितंबर में जारी किया था। ऑर्डर में गेम्सक्राफ्ट पर 2017 से 30 जून, 2022 के बीच 21,000 करोड़ रुपये के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के भुगतान न करने का आरोप लगाया गया था।

लिव-इन रिलेशन में रह रहे कपल, माता-पिता नहीं दे सकते इसमें दखल

-इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की बड़ी टिप्पणी

प्रयागराज (एजेंसी)। लिव-इन रिलेशन में रह रहे कपल को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर बच्चे अपने पार्टनर के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं, तब उनके माता पिता इसमें दखल नहीं दे सकते, फिर चाहे मजहब अलग ही क्यों न हो। साथ ही कोर्ट ने कहा है कि लिव में रह रहे अंतरधार्मिक जोड़े को धमकी मिलने पर उन्हें पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस सुरेंद्र सिंह की पीठ ने कहा, मामले के तथ्यों, परिस्थितियों और शीर्ष न्यायालय की ओर से अपने निर्णयों में निर्धारित कानून को ध्यान में रखते हुए, इस अदालत की राय है कि याचिकाकर्ता एक साथ रहने के लिए स्वतंत्र हैं। यदि याचिकाकर्ताओं के शांतिपूर्ण जीवन में कोई व्यवधान उत्पन्न होता है, तब याचिकाकर्ता इस आदेश की एक प्रति के साथ संबंधित पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर सकते हैं, जो याचिकाकर्ताओं को तत्काल सुरक्षा प्रदान करेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, मामले में एक याचिकाकर्ता, जो बालिग है, ने इस आधार पर सुरक्षा के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था कि उसकी मां और अन्य रिश्तेदार उसके रिश्ते के खिलाफ हैं। याचिकाकर्ताओं के शांतिपूर्ण जिंदगी जीने में व्यवधान डाल रहे हैं। चूंकि याचिकाकर्ताओं को मां ने धमकी दी थी, इसकारण वे अपने परिवार के सदस्यों की ओर से ऑनर किलिंग को लेकर आशंकित हैं।

याचिकाकर्ताओं ने अपनी अर्जी में कहा है कि वे दोनों निकट भविष्य में शादी करने का इरादा रखते हैं। चूंकि वे शांति से रह रहे थे, इसलिए उन्होंने रिश्तेदारों के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई थी। सरकारी वकील ने आधार पर लिव-इन रिलेशनशिप का विरोध किया कि दोनों याचिकाकर्ता अलग-अलग धार्मिक से हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ में लिव-इन-रिलेशनशिप में रहना जिना (व्यभिचार) के रूप में दंडनीय है। किरण रावत और अन्य बनाम यूपी सरकार के फैसले के आधार पर उन्होंने तर्क दिया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पहले लिव-इन-रिलेशनशिप में एक साथ रहने वाले जोड़ों को सुरक्षा देने से इनकार कर दिया था।

एक देश, एक चुनाव को लेकर टिकैत ने कहा, राष्ट्रपति को ज्यादा पावर देगा

-देश में विपक्ष को ताकतवार होना चाहिए

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। एक देश, एक चुनाव को लेकर सभी सियासी दलों में चर्चा हो रही है। 2 सितंबर को मोदी सरकार ने एक देश, एक चुनाव की कमेटी को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति बनाई गई है। इसके बाद से विपक्षी दलों के नेता एक देश, एक चुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भी एक देश, एक चुनाव पर प्रतिक्रिया दी है। टिकैत ने कहा कि एक देश, एक चुनाव से केंद्र राष्ट्रपति को ज्यादा पावर देगा और जहां विपक्ष की सरकार होगी, उन सरकार को गिराएंगे। विपक्ष की 1 साल में सरकार गिराकर 4 साल राष्ट्रपति शासन लगाकर उस पर राज किया जाएगा। टिकैत ने कहा कि जिस चुनाव लड़ना है, यह उनका चुनाव है, सरकार अगर कुछ ठीक करेगी तब जनता उनके साथ चली जाएगी। अगर कुछ ठीक नहीं करेगी तब जनता दूसरी तरफ चली जाएगी। जी-20 सम्मेलन को लेकर टिकैत ने कहा यह एक अतंराष्ट्रीय प्रोग्राम है जो कभी किसी देश में होता है, तब कभी किसी देश में। इस बार भारत इसका होस्ट है। पूरी दुनिया में इसका बड़ा मैसेज जाता है। इस लेकर हमारा कोई विरोध नहीं है। हमारा भी एक अंतराष्ट्रीय प्रोग्राम है, अबकी बार अतंराष्ट्रीय प्रोग्राम भारत में होगा, करीब 800 किसान डेलीगेट किसान भारत आएगे। उन्होंने कहा विपक्ष को मजबूत होना चाहिए, अगर विपक्ष कमजोर होगा तब तानाशाहों का जन्म होगा। सबसे ज्यादा कब्जाधारी बीजेपी और संघ के लोग हैं। इनसे अपनी जमीनी बचाओ।

टिकैत ने कहा कि गठबंधन को एक होकर लड़ना पड़ेगा। विपक्ष को आंदोलन का रास्ता तैयार करना चाहिए। केंद्र सरकार की कमी हो तब उसके खिलाफ प्रदर्शन करना चाहिए। मुद्दे केवल किसान संगठनों के ही नहीं हैं और भी बहुत कुछ हैं। विपक्ष को सड़क में आने की जरूरत है। घर में सोने से काम नहीं चलेगा, संघर्ष शुरू करना पड़ेगा।

जो बाइडन की दूसरी कोविड -19 रिपोर्ट भी नेगेटिव, भारत आना कन्फर्म

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने कल भारत के लिए रवाना होने वाले हैं। मिली जानकारी के अनुसार उनकी दूसरी कोविड-19 रिपोर्ट भी नेगेटिव आई है, इसलिए अब उनका भारत आना कन्फर्म हो गया है। बता दें कि भारत में 9-10 सितंबर को जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। राजधानी दिल्ली में सम्मेलन को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुनिया के तमाम शक्तिशाली नेता भारत आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को लेकर व्हाइट हाउस ने कहा कि उनकी दूसरी कोविड- 19 जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है और वह नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुवार को भारत की यात्रा करेंगे। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी होगी। यह घोषणा प्रथम महिला जिल बाइडन के सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के एक दिन बाद आई है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है: द्रौपदी मुर्मु

-देश के चुनिंदा 75 शिक्षकों को राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महान शिक्षाविद्, असाधारण शिक्षक और पूर्व राष्ट्रपति, डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती 'शिक्षक दिवस के मौके पर देश भर के 75 शिक्षकों को उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है इसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मजबूत और जीवंत शिक्षा प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया गया है। द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में एक मजबूत और जीवंत शिक्षा प्रणाली को विकसित करने पर जोर दिया गया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार माना गया है। हमारी शिक्षा नीति भारतीय संस्कारों और गौरव से जुड़ने को प्राथमिकता देती है। भारत की प्राचीन तथा आधुनिक संस्कृति, ज्ञान प्रणालियों और परम्पराओं से प्रेरणा प्राप्त करना भी शिक्षा नीति का स्पष्ट सुझाव है।

राष्ट्रपति ने कहा कि किसी के भी जीवन में आरंभिक शिक्षा का बुनियादी महत्व होता है। अनेक शिक्षाविदों द्वारा बच्चों के संतुलित विकास के लिए बच्चों के दिमाग और आत्मा के विकास को जरूरी बताया गया है जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव हो पाता है। हृदय का विकास अर्थात चरित्र-बल और नैतिकता का विकास सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। किसी मकान की मजबूती उसकी नींव के मजबूत होने पर आधारित होती है, उसी तरह जीवन को सार्थक बनाने के लिए चरित्र-बल की आवश्यकता होती है। चरित्र-बल का निर्माण बच्चों की आरंभिक शिक्षा के दौरान शुरू हो जाता है। श्रम, कौशल एवं उद्यम के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए इस वर्ष कौशल विकास और उद्यमशीलता के क्षेत्रों में योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया है। साथ ही, उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यापन करने वाले शिक्षकों को भी पुरस्कृत किया गया है।

राष्ट्रपति ने पुरस्कृत शिक्षकों में महिलाओं की कम संख्या का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें वृद्धि होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान इस बात पर गया कि पूरे देश के स्कूलों में शिक्षिकाओं की संख्या 51 प्रतिशत से अधिक है जबकि आज के पुरस्कार विजेताओं में उनकी संख्या 32 प्रतिशत है। उच्च शिक्षण संस्थानों में पुरस्कृत शिक्षिकाओं की संख्या केवल 23 प्रतिशत है जबकि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उन संस्थानों में महिला अध्यापिकाओं की कुल संख्या लगभग 43 प्रतिशत है। अध्यापन कार्य में महिलाओं की भागीदारी को देखते हुए मैं चाहूंगी कि राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों में महिलाओं की संख्या में वृद्धि हो।

अबाया पहनी मुस्लिम लड़कियों को स्कूल में नहीं दिया प्रवेश, वापस लौटाया

पैरिस। फ्रांस के पब्लिक स्कूलों ने अबाया पहनी दर्जनों मुस्लिम लड़कियों को स्कूलों में प्रवेश नहीं दिया। उन्हें अबाया हटाने से इंकार करने पर घर वापस भेज दिया गया। बता दें कि अबाया मुस्लिम महिलाओं और लड़कियों की ओर से पहना जाने वाला एक लंबा और ढीला-ढाला वस्त्र होता है। स्कूली साल के पहले दिन ऐसा होने की पुष्टि शिक्षा मंत्री गैबरियल अटल ने की है। अटल ने मंगलवार को बताया कि धार्मिक प्रतीक के रूप में देखे जाने वाले परिधान पर प्रतिबंध को खारिज करते हुए लगभग 300 लड़कियां अबाया पहनकर आईं। ज्यादातर लड़कियां इसे उतारने के लिए तैयार हो गईं लेकिन 67 ने इंकार कर दिया, जिसके बाद उन्हें घर लौटा दिया गया। सरकार ने पिछले महीने इसे धर्मनिरपेक्षता के नियमों के खिलाफ बताते हुए अबाया पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे पहले हिजाब पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, जिसमें कहा गया था कि यह धर्म का प्रदर्शन है। लड़कियों को वापस लौटाने के कदम से दक्षिणपंथी ग्रुपों में खुशी देखी गई, लेकिन कट्टर वामपंथियों ने ने स्वतंत्रता का अपमान बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अटल ने इस तरह के कपड़े को एक धार्मिक प्रतीक माना जो फ्रांस की धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन करता है। 2004 से फ्रांस के स्कूलों में हैडस्कार्फ, किप्पा, क्रॉस सहित धार्मिक संकेतों और प्रतीकों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक शिक्षा मंत्री गेब्रियल अटल का कहना है कि किसी को भी कक्षा में ऐसा कुछ भी पहन कर नहीं आना चाहिए जिससे पता चले कि उनका धर्म क्या है। अटल ने कहा कि जिन लड़कियों ने सोमवार को प्रवेश से इंकार कर दिया था, उन्हें उनके परिवार को संबोधित एक पत्र लिखा गया था जिसमें कहा कि धर्मनिरपेक्षता कोई बाधा नहीं बल्कि एक स्वतंत्रता है। मंत्री ने आगे कहा कि अगर वे फिर से गाऊन पहनकर स्कूल में आई तो फिर नई बात होगी।

जी-20 के बाद पाकिस्तान को है सऊदी युवराज के पड़ाव की उम्मीद

इस्लामाबाद । पाकिस्तान को सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान की पाकिस्तान पड़ाव की उम्मीद दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि वह इस सप्ताह के अंत में नयी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा करने वाले है। मीडिया में आयी एक खबर में यह बात कही है। हालांकि पाकिस्तान का विदेश कार्यालय शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली की यात्रा के दौरान सऊदी युवराज के संभावित पड़ाव पर चुप्पी साधे हुए है, लेकिन प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने इस संभावना से इनकार नहीं किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक सूत्र ने कहा, अभी तक कुछ भी आधिकारिक नहीं है, लेकिन ऐसे संकेत हैं कि सऊदी युवराज अपनी भारत यात्रा के दौरान पाकिस्तान की यात्रा कर सकते हैं। किसी भी पक्ष की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई क्योंकि दोनों पक्ष अंतिम क्षण तक यात्रा को गोपनीय रखना चाहते हैं। हालांकि, सूत्रों ने इतना जरुर बताया है कि यह दौरा संभव भी हुआ तो वह केवल कुछ घंटों के लिए होगा। गौरतलब है कि फरवरी 2019 में, जब सऊदी युवराज ने भारत की यात्रा की थी, तो उन्होंने पाकिस्तान की भी यात्रा की थी। सऊदी युवराज न केवल 9 और 10 सितंबर को होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, बल्कि राजकीय यात्रा पर एक दिन के लिए दिल्ली में रुकेंगे। सूत्रों ने कहा कि ऐसे में पाकिस्तान के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो गया है कि सऊदी युवराज देश का दौरा करें।

प्रधानमंत्री किशिदा पर बम फेंकने वाले संदिग्ध पर हत्या का आरोप

तोक्यो । जापान के पीएम पर बम फेंकने वाले संदिग्ध पर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। यहां अभियोजकों ने अप्रैल में प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को निशाना बनाकर किए गए बम हमले के मामले में 24 वर्षीय एक संदिग्ध पर बुधवार को हत्या के प्रयास सहित अन्य आरोप लगाए। गौरतलब है ?कि किशिदा पश्चिमी जापान के वाकायामा में चुनाव प्रचार कर रहे थे, तभी एक व्यक्ति ने उन पर घर में बना पाइप बम फेंका था। हालांकि इस हमले में किशिदा को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था, लेकिन सभा में शामिल दो अन्य लोग घायल हो गए थे। जापान की मीडिया ने कहा कि संदिग्ध का तीन महीने तक मनोचिकित्सकीय मूल्यांकन करने के बाद अभियोजक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 24 वर्षीय रियूजी किमुरा मुकदमे का सामना करने के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ है और हमले में इस्तेमाल किया गया बम घातक था। खबर के मुताबिक, अदालती दस्तावेज दिखाते हैं कि किमुरा संभवत: इसलिए नाराज था, क्योंकि वह पिछले साल चुनाव के लिए उम्मीदवारी नहीं दाखिल कर सका था। किशिदा पर यह हमला पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की चुनाव प्रचार के दौरान गोली मारकर हत्या किए जाने के लगभग एक साल बाद हुआ था। किशिदा पर किए गए जानलेवा हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था।

रिहा होते ही परवेज इलाही को पुलिस ने फिर किया गिरफ्तार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष परवेज इलाही को रिहा के आदेश होते ही फिर से गिरफ्तार कर लिया गया है। ?मिली जानकारी के अनुसार इस्लामाबाद उच्च न्यायालय द्वारा उनकी हिरासत निलंबित करने और रिहाई का आदेश देने के तुरंत बाद मंगलवार को फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। इस्लामाबाद पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पंजाब प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री इलाही को एक आतंकवाद के एक मामले में गिरफ्तार किया गया। इससे पहले कहा था कि पीटीआई नेता को उच्च न्यायालय के आदेश के बाद रिहा कर दिया गया है। बता दें कि इलाही उन पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं में शामिल हैं, जिन्हें खान की गिरफ्तारी के विरोध में नौ मई को हुए दंगों के बाद गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले दिन में, उच्च न्यायालय ने सार्वजनिक व्यवस्था बहाली (एमपीओ) की धारा तीन के तहत इलाही की हिरासत को निलंबित कर दिया और उनकी रिहाई का आदेश दिया। इलाही को पहली बार एक जून को गिरफ्तार किया गया था और उन पर भ्रष्टाचार के कई मामलों का आरोप लगाया गया था। इलाही की सबसे हालिया गिरफ्तारी पिछले हफ्ते शुक्रवार को इस्लामाबाद पुलिस द्वारा की गई थी, इससे कुछ ही घंटे पहले लाहौर उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार के एक मामले में इलाही की रिहाई का आदेश दिया था और अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था कि उन्हें किसी अन्य मामले में हिरासत में न लिया जाए।

रूस ने की यूक्रेनी बंदरगाह सुविधाओं को तहस-नहस करने की तैयारी

कीव। रूस ने यूक्रेनी बंदरगाह सुविधाओं को तहस-नहस करने की तैयारी कर ली है। यही वजह रही कि यूक्रेन के इज़मेल क्षेत्र में डेन्यूब नदी पर बंदरगाह सुविधाओं पर ड्रोन से हमला किया गया जो रात भर चला। एक अधिकारी ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ओडेसा क्षेत्र के गवर्नर ओलेह किपर ने कहा कि हमले के कारण बंदरगाह और आसपास के कृषि बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ है। हालांकि इस ड्रोन हमले पर रूस की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है। इससे पहले इस सप्ताह की शुरुआत में, रोमानिया से नदी के उस पार स्थित इज़मेल क्षेत्र पर रूसी ड्रोन हमले हुए थे। यूक्रेन ने दावा किया है कि रूसी ड्रोन रोमानियाई क्षेत्र में गिरे, लेकिन नाटो सदस्य देश ने इससे इनकार किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस एक महीने से अधिक समय से डेन्यूब के किनारे यूक्रेन की बंदरगाह सुविधाओं पर हमला कर रहा है, ताकि कीव को अपने अनाज के निर्यात के लिए नदी का उपयोग करने से रोका जा सके। अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार रात को यूक्रेन की राजधानी कीव पर भी मिसाइल हमला हुआ, लेकिन कोई हताहत या क्षति नहीं हुई। हालांकि सभी रूसी मिसाइलों को हवाई सुरक्षा द्वारा नष्ट कर दिया गया।

ब्रिटेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर बर्मिंघम हुआ दिवालिया, गैर जरूरी खर्चे बंद

लंदन । ब्रिटेन के दूसरे सबसे बड़े शहर बर्मिंघम को दिवालिया घोषित कर दिया है। अब यहां पर सभी गैर-जरूरी खर्चे बंद कर दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शहर पर 76 करोड़ पाउंड (करीब 95.6 करोड़ डॉलर) तक के समान वेतन दावे लंबित हैं। बर्मिंघम सिटी काउंसिल, जो दस लाख से अधिक लोगों को सेवाएं प्रदान करती है, ने मंगलवार को धारा 114 नोटिस दायर किया, जिसमें आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी खर्चों पर रोक लगा दी गई। नोटिस रिपोर्ट के अनुसार, घाटा समान वेतन दावों में 65 से 76 करोड़ पाउंड के बीच भुगतान करने में कठिनाइयों के कारण उत्पन्न हुआ।

चीन के मिनहोउ काउंटी में तूफान हेकुल के कारण आसपास के गांवों में बाढ़ आ गयी।

10 माह की बच्ची के पेट से निकले जुड़वां बच्चे, ऑपरेशन के बाद हैरान हुए डॉक्टर

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सादिकाबाद में एक मामला ऐसा भी आया है, जब 10 माह की बच्ची के पेट से दो जुड़वां बच्चों को ऑपरेशन कर के निकाला गया है। मिली जानकारी के अनुसार 10 महीने की बच्ची के पेट में दर्द था और डॉक्टरों ने उसकी वजह जब माता-पिता को बताई तो वे सन्न रह गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बच्ची को पेट में दर्द होने के चलते उसके परिवार के लोग उसे अस्पताल लेकर गए। बच्ची का दर्द पेट के निचले हिस्से में था और डॉक्टरों ने सोचा कि ये ट्यूमर है, जो बच्ची के पेट में बाहर की ओर भी दिखने लगा है। हालांकि जब उन्होंने ऑपरेशन करना शुरू कर दिया, तो यहां कुछ और ही मामला निकला। डॉक्टरों को बच्ची के पेट में दो जुड़वां फीटस मिले, जो पूरी तरह से विकसित नहीं हुए थे। डॉक्टरों को फिर ये समझते देर नहीं लगी कि बच्ची वैनिशिंग टिवन सिंड्रोम का शिकार थी, जो 5 लाख में से किसी एक बच्चे को होता है। ये तब होता है, जब मां के गर्भ में एक बच्चा विकसित हो जाता है, जबकि जुड़वां फीटस स्वस्थ बच्चे के शरीर में फंस जाते हैं और विकसित नहीं हो पाते। ये ऑपरेशन काफी मुश्किल था, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक बच्ची की हालत स्थिर है। अस्पताल में डॉक्टर्स ने बताया कि यहां बच्ची के माता-पिता पेट दर्द की शिकायत लेकर आए थे। 10 महीने की बच्ची का अल्ट्रासाउंड भी कराया गया, जिसमें डॉक्टरों ने समझा कि बच्ची के पेट के निचले हिस्से में ट्यूमर है। उन्हें लगा था कि बच्चे के पेट में फ्लुइड भरा हुआ है। सर्जन मुश्ताक अहमद ने बताया कि जब ऑपरेशन होने लगा तो इसमें करीब 2 घंटे का वक्त लग गया। इसी दौरान उन्हें बच्ची के पेट के निचले हिस्से से ट्यूमर निकाला गया, तो उन्हें एक अलग ही चीज़ दिखाई दी।

जी20 से पहले ऋषि सुनक का बड़ा बयान, एक गौरवान्वित हिंदू होने के नाते, मेरा हमेशा भारत के साथ मजबूत संबंध रहेगा

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार (6 सितंबर) को समाचार एजेंसी पीटीआई के साथ एक विशेष साक्षात्कार में भारत और अपनी ÷गर्वित हिंदू÷ विरासत के साथ अपने गहरे संबंध पर जोर दिया। ब्रिटेन के पहले भारतीय मूल के और हिंदू प्रधान मंत्री सुनक ने अपनी भारतीय पत्नी और अपनी भारतीय जड़ों पर गहरे गर्व का हवाला देते हुए भारत के साथ अपने मजबूत संबंधों की बात की। सुनक ने साक्षात्कार में भारत के साथ अपने संबंधों, सरकारी संबंधों, जी20 शिखर सम्मेलन और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक प्रभाव पर चर्चा की।

अपनी हिंदू आस्था और भारतीय विरासत को संबोधित करते हुए, सुनक ने कहा, ÷मेरी पत्नी भारतीय है, और एक गौरवान्वित हिंदू होने का मतलब है कि मेरा भारत और भारत के लोगों के साथ हमेशा जुड़ाव रहेगा। मुझे अपनी भारतीय जड़ों और भारत के साथ अपने संबंधों पर बहुत गर्व है।÷ यह टिप्पणी हिंदू मूल्यों के उनके पहले सार्वजनिक प्रदर्शनों का अनुसरण करती है, जिसमें पवित्र लाल हिंदू %कलावा% धागा पहनना और लंदन में गौ पूजा (गाय की पूजा) करना शामिल है। ब्रिटेन के पहले भारतीय मूल और हिंदू प्रधानमंत्री सुनक ने लगातार अपनी विरासत को अपनाया है। उन्होंने भगवद गीता पर हाथ रखकर ब्रिटेन के वित्त मंत्री के रूप में शपथ ली।

भारत सही समय पर सही देश

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को कहा कि भारत की विविधता और उसकी असाधारण सफलताओं का अर्थ है कि जी20 की अध्यक्षता के लिए वह सही समय पर सही देश है। इसके साथ ही सुनक ने नरेन्द्र मोदी के पिछले साल के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि भारत को जी20 की अध्यक्षता ऐसे समय मिली जब विश्व कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक ने 9-10 सितंबर को यहां आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन से कुछ दिन पहले, पीटीआई- को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा कि ब्रिटेन और भारत के संबंध दोनों देशों के वर्तमान से भी अधिक, उनके भविष्य को परिभाषित करेंगे।

खालिस्तान समर्थक एक्टिविटी पर ऋषि सुनक की दो टूक, ब्रिटेन में किसी तरह का उग्रवाद स्वीकार्य नहीं

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियों पर भारत की चिंताओं का समर्थन करते हुए, ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को कहा कि

उग्रवाद का कोई भी रूप स्वीकार्य नहीं है, उन्होंने कहा कि वैध विरोध करने का अधिकार हिंसक या धमकी भरे व्यवहार तक नहीं है। एक विशेष साक्षात्कार में सुनक ने कहा कि वह हिंसक, विभाजनकारी विचारधाराओं को बाधित करने और उनका मुकाबला करने के सरकार के कर्तव्य को बहुत गंभीरता से लेते हैं।

उन्होंने कहा कि ब्रिटेन खालिस्तान समर्थक उग्रवाद के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। ब्रिटेन में खालिस्तानी समर्थक तत्वों की गतिविधियों को लेकर भारत में चिंताएं बढ़ गई हैं, खासकर मार्च में लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमले के बाद। सुनक की टिप्पणी जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आने से कुछ दिन पहले आई है। ब्रिटेन में उग्रवाद का कोई भी रूप स्वीकार्य नहीं है और मैं हिंसक, विभाजनकारी विचारधाराओं को बाधित करने और उनका मुकाबला करने की सरकार की जिम्मेदारी को बहुत गंभीरता से लेता हूं, चाहे वे कुछ भी हों।

इस मुद्दे पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हम खालिस्तान समर्थक चरमपंथ के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और ब्रिटिश पुलिस हिंसक कृत्यों से निपटने के लिए पूरी तरह से सशक्त है। दिल्ली में एक राय है कि खालिस्तानी मुद्दा भारत-ब्रिटेन के गहरे संबंधों में एक बड़ी बाधा है।

पाक और अफगानिस्तान में छिड़ी जंग! तोरखम बार्डर पर फायरिंग

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि बुधवार को अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच मुख्य सीमा पर गोलीबारी हुई, जिसके बाद अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा बंद कर दी गई। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान को जोड़ने वाली तोरखम सीमा पर गोलियों की आवाज सुनी गई। उन्होंने बताया कि गोलियों की आवाज सुनकर वहां मौजूद लोग घबरा गये। इस घटना के बाद तोरखम सीमा को बंद कर दिया गया। एक सुरक्षा अधिकारी ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि तालिबान और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई. हालांकि, इस गोलीबारी में किसी जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

इस बीच, अफगानिस्तान के पूर्वी नंगाहार प्रांत में सरकार के एक प्रवक्ता,

जबकि पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के एक प्रवक्ता ने अभी तक गोलीबारी पर कोई बयान जारी नहीं किया है। मालूम हो कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। दोनों देशों के नागरिक तोरखम सीमा से ही आते-जाते हैं। लॉकि, दोनों देशों के बीच कई विवादों के कारण इस सीमा को बंद करना पड़ा। इस साल फरवरी में तोरखम सीमा भी बंद कर दी गई थी। परिणामस्वरूप, सीमा के दोनों ओर हजारों ट्रक रोक दिए गए। फिलहाल दोनों तरफ से फायरिंग के मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

नेपाल बाजरे की खेती, खपत को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सहयोग करने को तैयार

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के खाद्य, कृषि और पशुधन मंत्री बेदुराम भुशाल ने कहा है कि हिमालयी देश उच्च पोषण गुणों वाले बाजरे की खेती और खपत को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सहयोग करने को तैयार है। काठमांडू में मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में भुशाल ने बाजरा अभियान में अग्रणी भूमिका निभाने और इस अनाज का नाम बदलकर ''श्री अन्न'' या शुभ अनाज रखे के लिए भारत को बधाई दी। भुशाल ने बाजरा को मुख्य भोजन के रूप में बढ़ावा देने के पीछे के संभावित स्वास्थ्य लाभों पर जोर दिया और इसके उच्च पोषण गुणों पर प्रकाश डाला।

संयुक्त राष्ट्र के, भारत की पहल पर बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए एक अभियान शुरू करने की बात को रेखांकित करते हुए भुशाल ने कहा कि

नेपाल इस अभियान में नयी दिल्ली के साथ हाथ मिलाने के लिए तत्पर है। साल 2021 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र में 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव को 72 देशों का समर्थन हासिल हुआ था और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित किया था।

काठमांडू में भारतीय दूतावास ने नेपाल के कृषि और पशुधन मंत्रालय के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान, नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने बाजरा उत्पादन और इसकी वाणिज्यिक क्षमता तलाशने के लिए कृषि क्षेत्र में भारत और नेपाल के बीच सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'बाजरा जलवायु परिवर्तन और वैश्विक खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान प्रदान कर सकता है।' कार्यक्रम को संबोधित करने वाले खाद्य विशेषज्ञों ने बाजरा के पौष्टिक गुणों पर प्रकाश डाला और निर्यात बाजार में इसकी अपार संभावनाओं को पहचानते हुए बड़े पैमाने पर इसके उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

साइक्लोन की चपेट में आने से 21 लोगों की मौत, 60 शहर तूफान में ?घिरे

ब्राजीलिया। ब्राजील में साइक्लोन की चपेट में आने से 21 लोगों की मौत हो गई है। यहां तूफान का जबरदस्त कहर देखने को मिल रहा है। मी ?डिया रिपोर्ट के अनुसार चक्रवात ने दक्षिणी ब्राज़ील को बुरी तरह से तबाह कर दिया है, अनेक शहरों में बाढ़ के हालात बनने से लोगों की मौत हो गई है और सैकड़ों लोग विस्थापित हो गए हैं। रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के अधिकारियों के अनुसार, जैसे-जैसे बाढ़ का पानी कम हो रहा है, अतिरिक्त शवों की खोज की जा रही है। गवर्नर एडुआर्डो लेइट के मुताबिक तूफान का असर आसपास के लगभग 60 शहरों पर पड़ा है। बता दें कि मंगलवार को ब्राज़ील में आया तूफ़ान चरम मौसम की घटनाओं में सबसे ताज़ा है, जो उन तूफ़ानों से उत्पन्न खतरों को उजागर करता है जो जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप लगातार और तीव्र होते जा रहे हैं। जून में भी दक्षिणी ब्राज़ील में आए चक्रवात के कारण हज़ारों निवासियों को विस्थापित होना पड़ा था और उस समय 13 लोगों की मौत हो गई। ब्राजील के राज्य साओ पाउलो में, फरवरी में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ आई, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 65 लोगों की मौत हो गई।

मोदी का ये मास्टरस्ट्रोक नहीं झेल पाएंगे जिनपिंग, आसियान देशों को तेजस दे सकता है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आसियान देशों के बीच बड़ी तेजी से हथियारों की मांग बढ़ रही है।स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक साउथ ईस्ट एशियाई देशों का मिलिट्री खर्च दो दशकों में दोगुना हो गया है। साल 2000 में ये देश अपनी सुरक्षा पर 1.67 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रहे थे। 2021 में ये बढ़कर 3.57 हजार करोड़ खर्च हो चुका है। मिलिट्री में किए गए खर्च में सबसे ज्यादा तेजी 2013 में देखने को मिली है। चीन को उसके ही पड़ोस में घेरने की तैयारी है। आसियान देशों को तेजस देने की बात हो रही है।

क्या है तेजस की खासियत

इसकी रेंज 3 हजार किलोमीटर है और लंबाई 13 मीटर से ज्यादा है। इसका भार 6500 किलोग्राम है। तेजस बहुत ही मारक हथियार है और यह सिंगल इंजन वाला 6,500 किलोग्राम का हल्का लड़ाकू विमान है, जिसके 50 फीसदी कलपुर्जे भारत में ही बने हैं। इसमें इजरायल का EL/M-2052 रडार लगाया गया है।

मोदी की इंडोनेशिया यात्रा

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अगस्त की रात 8 बजे को 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) में भाग लेने के लिए इंडोनेशिया जाएंगे। पीएम मोदी बुधवार (6 सितंबर) शाम को इंडोनेशिया के लिए रवाना होंगे और अगले दिन देर शाम नई दिल्ली लौटेंगे। प्रधानमंत्री इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के निमंत्रण पर जकार्ता में होंगे। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वां पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) दोनों 7 सितंबर (गुरुवार) को होंगे।

संपादकीय

चिंता मत करो - संत राजिंदर सिंहजी महाराज

इस तेज रफ्तार की दुनिया में बहुत से लोग चिंता और व्यग्रता से ग्रस्त है। चाहे वह व्यापारी हो या नौकरीपेशा, स्कूली छात्र हो या 80 साल का, अमीर व्यक्ति हो या भिखारी हर कोई किसी न किसी कारण से चिंता करता है। हमारे व्यक्तिगत जीवन में बुरी स्थितियों के बारे में चिंतित होना स्वाभाविक है लेकिन यह अनुचित स्तर तक बढ़ जाता है। चिंता का यह उच्च स्तर हमारी भावनात्मक ऊर्जा को सोख लेता है, हमारी चिंता के स्तर को बढ़ा देता है और हमारी उत्पादकता में बाधा डालता है जिससे हमारा दैनिक जीवन प्रभावित होता है। चिंता एक हिलती हुई खुशी की तरह है यह हमेशा गतिशील रहती है लेकिन यह किसी को कहीं नहीं ले जाती। अक्सर हम खुद पर भरोसा करते हैं कि हम अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। फिर भी कभी-कभी सभी प्रयासों के बाद भी हम असफल हो जाते हैं। हम क्या होगा की चिंता के कारण अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं और हमेशा सोचते रहते हैं कि हमारे जीवन में सबसे खराब स्थिति में हमें क्या करना चाहिए? हम अपनी चिंताओं को कैसे खत्म कर सकते हैं? क्या कोई समाधान है?

इस संबंध में एक घड़ी के बारे में एक कहानी प्रचलित है। एक दिन घड़ी ने सोचना शुरू कर दिया कि उसे कितनी बार टिक टॉक करना होगा। यह सोचने लगी कि उसे प्रति मिनट 60 बार टिक करना है। फिर उसे 60 बार प्रति मिनट गुना 60 मिनट प्रति घंटा पर ठीक करने के लिए 3600 बार प्रति घंटा के बराबर करना होगा। फिर दिन में 3600 बार प्रति घंटे के हिसाब से 24 घंटे में 86400 बार टिक करना होगा फिर घड़ी ने सोचा शुरू कर दिया कि उसे प्रत्येक सप्ताह महीने और वर्ष में कितनी बार टिक टिक करना होगा। जब तक कि वह घबरा ना जाए। यह बहुत ज्यादा काम है। मैं इस काम का बोझ कैसे जेल पाऊंगी? घड़ी इतनी चिंतित हो गई के चिंता के कारण उसकी धड़कनें छूटने लगी। जल्द ही उसका समय खत्म हो गया। मालिक द्वारा निकल जाने से चिंतित होकर घड़ी एक मनोचिकित्सक के पास गई। घड़ी ने कहा डॉक्टर मैं वास्तव में चिंतित हूं। मैं बहुत चिंतित हूं कि मेरा टिकट अब ठीक से टिक नहीं कर रहा है। डॉक्टर ने कहा तुम किस बात की चिंता कर कर रही हो? घड़ी ने कहा"मुझे इस बात की चिंता है कि मुझे प्रत्येक सप्ताह प्रत्येक मां प्रत्येक वर्ष कितनी बार टिक टिक करनी पड़ेगी। डॉक्टर ने कहा "आपकी चिंता के कारण आप इन सभी धड़कनों को भूल रही हो। मेरे पास आपके लिए एक समाधान है।"वह क्या है?" घड़ी ने पूछा। डॉक्टर ने पूछा" तुम्हें एक समय में कितनी टिक लगानी है?ज्घड़ी ने कहा बस एक समय में एक बार। डॉक्टर ने कहा तब मैं सलाह देता हूं कि अपनी सारी ऊर्जा का उपयोग एक समय में एक टिक लगाने पर ध्यान केंद्रित करो। यदि आप एक समय में केवल एक के बारे में चिंता करते हैं तो आप ठीक रहेंगे। घड़ी ने मनोचिकित्सक की सलाह मान ली और उसे समय से एक समय में एक टिक पर ही ध्यान केंद्रित किया और कभी भी समय गवाए बिन खुशी से रहने लगी।

इस कहानी में यह सबक है कि जीवन एक समय में एक टिक लेना है। वर्तमान क्षण में जियो और आने वाले सेकंड और मिनट के बारे में चिंता मत करो। यदि आप स्वयं को किसी विशेष विचार में भ्रमित पाते हैं तो अपना ध्यान वर्तमान क्षण पर वापस लाएं। बीती बातें भूल जाए भविष्य अभी बाकी है कल की चिंता कभी भी उसके दुखों को खत्म नहीं करती जबकि वह आज की खुशियों को खत्म कर देती है। यह महज संयोग नहीं हो सकता कि present शब्द का अर्थ उपहार भी है वर्तमान क्षण ईश्वर का एक उपहार है। हम अतीत या भविष्य की चिंता में इस उपहार को व्यर्थ ना करें। लिए हम जीवन को जीना सीख कर इस उपहार का आनंद ले और ईश्वर का धन्यवाद करें।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

ईश्वर के पूर्ण अवतार थे श्रीकृष्ण

(लेखक-ओमप्रकाश श्रीवास्त)

सनातन धर्म में अवतार की अवधारणा यह है कि ब्रह्म अपनी माया शक्ति से इस सृष्टि का निर्माण करता है और वह स्वेयं भी सृष्टि के कण-कण में समाया है। सृष्टि के सृजन, पालन और संहारकर्ता के रूप में ब्रह्म कोईश्वेर कहते हैं। ब्रह्म का अंश आत्मास, माया के वशीभूत होकर जब शरीर में निवास करती है तो उसे जीव कहते हैं (गीता 15.7) ।जड़, पेड़-पौधे, जीव, मनुष्य और देवता सभी में ब्रह्म की चेतना है अंतर इतना है कि इनमें क्रमश- चेतना का स्तंर बढ़ता जाता है। ब्रह्म की चेतना की सर्वोच्च अभिव्यक्ति जिनमें होती है उन्हेंक अवतार कहते हैं।

अवतार दो तरह के होते हैं अंशावतार और पूर्णावतार। ब्रह्म के तीन गुण ज्ञान, प्रेम और शक्ति जिसमें पूर्ण रूप से प्रकट होते हैं वह पूर्णावतार कहलाता है। जिन अवतारों में ब्रह्म के इन गुणों का कोई एक भाग प्रकट होता है वह अंशावतार कहलाते हैं। इस प्रकार अंशावतार वह हैं जिनमें चेतना का स्तपर हम मनुष्यों और देवताओं की चेतना से अधिक होता है परंतु ईश्वर की दिव्यकता का पूर्ण प्रकटन नहीं होता, जैसे मत्स्यव , कूर्म, वाराह, नृसिंह, वामन, परशुरामआदि ईश्व र के अंशावतार थे। जहाँ ईश्वकर की दिव्यतता का पूर्ण प्रकटन हो जाता है, उनमें और ईश्व र में कोई अंतर नहीं रहता उन्हें पूर्णावतार कहते हैं। ईश्वर के दस अवतारों में राम और कृष्णओ को पूर्णावतार माना जाता है।

गीता में कहा है कि जब-जब धर्म का पतन होता है और अधर्म बढ़ने लगता है तब-तब साधु पुरुषों की रक्षा, दुष्टेंव के विनाश और धर्म की स्थापनाके लिए ईश्वररहर युग में अवतार लेता है (गीता 4.7-8)।श्रीकृष्णी की सभी लीलाएँ इन्हींउद्देश्यों की पूर्ति के लिए थीं। वे यशोदा के नटखट बालक, गोपों के सखा, गोपियों के प्रेमी, पांडवों के सहायक, आदर्श गृहस्थक, द्वारका के आदर्श शासक, दुर्धर्षयोधा, अद्भुत कू टनीतिज्ञ, सच्चेक मित्र,गीता के गायक के रूप में सर्वोच्चशआध्यात्मिकपुरुष और योगेश्वकरसभी कुछ एकसाथ हैं। उनकी लीलाएँ गीता के उपदेशों का व्ययवहारिकक्रियान्वसयन थीं।

गीता में कहा है कि कर्म में कर्ता होने का अहंकार और फल की आसक्ति न हो तो वह कर्म, कर्मयोग बन जाता है जो कर्म बंधन को काट देता है । श्रीकृष्णल का जीवन अहंकार और आसक्ति से विहीन था। द्वारका के राजा होने के बाद भी उन्होंनेयुधिष्ठकर के राजसूय यज्ञ में अतिथियों के पाँव धोने का कार्य किया। तत्कारलीन समाज में सारथी का सामाजिक दर्जा निम्नो होता था।सूतपुत्र होने के कारण ही कर्ण को जगह-जगह अपमान सहना पड़ा था। परंतु श्रीकृष्णज ने अर्जुन का सारथी बनना स्वीकार किया।स्व यं राजा व पूरे देश में सम्मा नीय होने के बाद भी वह शान्तिस्थामपना केलिए पांडवों के दूत बनकर हस्तिनापुर गये। अनासक्त इतने कि एक बार जो छूट गया उसे पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। वृंदावन में परिजनों और गोप-गोपिकाओं के प्राणप्रिय थे पर मथुरा जाने के बाद एक बार भी वृंदावन नहीं लौटे। बहुत से राजाओं को पराजित किया, मारा परंतु उनका राज्यदउन्हीं के पुत्रों को दे दिया। जब कंस का वध किया तो राजगद्दी उग्रसेन को सौंप दी। महाभारत युद्ध समाप्ति के बाद जब ऐसा लगा कि यादव कुटुम्बी उद्धत हो रहे हैं और इनसे संसार में अशान्ति की आशंका हो गई है तो उनका सर्वनाश भी अपने सामने ही करा दिया।निराभिमानी इतने कि द्वारका के सम्राट होते हुए भी बचपन के मित्र सुदामा को लेने दौड़े चले आए और आँसुओं से उसका पाद प्रक्षालन कर दिया। धर्म सदैव देश-काल और पात्र सापेक्ष होता है। एक समय जो धर्म है वह दूसरे समय अधर्म हो जाता है। एक अधिकारी के लिए जो धर्म है वह दूसरे व्यकक्ति के लिए अधर्म हो जाता है। धर्म के व्यावहारिकस्वेरूप कोश्रीकृष्ण ने अपने जीवन में चरितार्थ कर बताया। एक बार युधिष्ठिर ने गांडीव धनुष की निन्दास कर दी। अर्जुन की प्रतिज्ञा थी कि यदि कोई गांडीव धनुष की निन्दाब करेगा तो वह उसका वध कर देंगे। इस प्रतिज्ञा के निर्वाह के लिए अर्जुन युधिष्ठईर को मारने के लिए उद्धत हो गये। युधिष्ठगर तो बड़े भाई थे उनका वध करना नीति के विरुद्ध था पर प्रतिज्ञा का पालन धर्म था। तब श्रीकृष्ण ने बीच का रास्ता निकाल दिया और कहा कि बड़ों का अपमान करना ही उनकी मृत्युञ्ज के समान है। युद्ध क्षेत्र में कर्ण का रथ फँसा होने पर अर्जुन को प्रहार करने का आदेश दिया और कहा कि जिसने अपने जीवन में कभी धर्म का आदर नहीं किया उसे दूसरों से धर्माचरण की आशा रखने का हक नहीं है। कालयवन ने बिना कारण के मथुरा पर आक्रमण किया तो उसे छल से गुफा में ले गये जहाँ मुचकुन्दह सोये हुए थे। कालयवन ने कृष्णम समझ कर मुचकुन्दे को लात मारी और मुचकुन्दक के जागते ही शाप के प्रभाव से भस्मथ हो गया। उन्होंसनेअश्वेत्थालमा के मारे जाने की घोषणा युधिष्ठिर से कराई कि और इससे पहले कि युधिष्ठ र कहते कि वह हाथी था,श्रीकृष्ण ने शंख की तुमुल ध्वजनि कर दी । जिससे द्रोणाचार्य आगे का वाक्ये नहीं सुन सके और यह समझकर कि उनका पुत्र अश्वनत्थातमा मारा गया है पुत्र शोक से विह्वल हो गये। इसी समय अर्जुन से द्रोणाचार्य का वध करवा दिया। इसी प्रकार दोपहर के समय सूर्य को बादलों से ढँक कर संझा का आभास देकर जयद्रथ का वध करवा दिया। उन्हों ने काँटे से काँटा निकालने की युक्ति अपनाई -कण्टभकेनैवकण्टरकम्- परंतु कर्म के अहंकार व फल की इच्छा से रहित तथा लोक कल्याकण के लिए होने के कारण यह कार्य भी धर्म माने गये। भक्त वत्स लश्रीकृष्ण भक्तोंह की पुकार पर दौड़े चले आते थे। कौरवों की सभा में द्रोपदी के चीर हरण के समय उन्होंकने अपनी प्रभुता दिखा कर द्रोपदी के मान सम्मा न की रक्षा की। भागवत् पुराण में श्रीकृष्ण की अनेक लीलाएँ वर्णित हैं जब उन्हों नेभक्तोंप की पुकार पर तुरंत कृपा की। गीता में कहा है कि कोई क्षणमात्र भी कर्म करे बगैर नहीं रह सकता(गीता 3.5)। श्रीकृष्णं का जीवन भी अहर्निश कर्मयोगी का था। कभी द्वारका, तो कभी हस्तिनापुर, तो कभी तीर्थयात्राकरते रहे। द्वारका की शत्रुओं से रक्षा के बाद रुक्मिणी का मनोरथ पूर्ण करने के लिए अल्पी समय में ही द्वारका से विदर्भदेश पहुँच गये।सत्यक पालन में इतने दृढ़प्रतिज्ञ थे कि एक बार अपनी बुआ को वचन दे दिया कि शिशुपाल के 100 अपराध माफ करुँगा तो 100 अपराधों तक अविचलित बने रहे। क्रांतिकारी इतने कि परदेशी इन्द्रा की पूजा छुड़वाकर गोवर्धन पर्वत, जो फल, घास, जल, आश्रय के रूप में बृजवासियों का जीवनदाता था, की पूजा शुरू करवा दी और गोवर्धन पर्वत को अंगुलि पर उठाकर इन्द्रल के कोप से ब्रजवासियों की रक्षा की और इन्द्र का मानमर्दन कर दिया।

कृष्णध की कूटनीतिज्ञता ही थी जिसने भारत भूमि को अत्याकचारी राजाओं से मुक्तर कर दिया। इन अत्याधचारी राजाओं का मुखिया जरासंध था। कृष्ण ने उसे 17 बार उसकी संपूर्ण सेना का नाश कर उसे

पराजित किया पर हर बार जीवित छोड़ दिया ताकि वह बचे-खुचेदुष्टों को एकत्र कर लाए और उनका संहार किया जा सके। महाभारत का युद्ध भारत रूपीराष्ट्रब का ऑपरेशन था जिसमें अत्यातचारी और अनाचारी शासकों रूपी सड़े अंगों को निकाल फेंका गया और नए युग की नींव रखी गई। कृष्णस की निर्भयता और वीरता तो अविश्वंसनीय सी लगती है । बाल्याचवस्थार में पूतना, तृणावर्त, बकासुर, अघासुर जैसे राक्षसों को मार डाला। भरी सभा में बालक कृष्ण ने कंसको पछाड़ दिया। मणिचोरी का कलंक लगने पर अकेले अगम्यं गुफा में चले गये, जाम्ब न्त से युद्ध किया और स्मंन्तपक मणि के साथ ही उसकी पुत्री जामबती को ब्याअह लाए। जरासंध, जो अपनी और शिशुपाल जैसे मित्रों की सेनाएँ लेकर युद्ध के लिए तैयार बैठा था, से लड़ने के लिए कृष्णर बिना सेना के मात्र भीम और अर्जुन को साथ लेकर पहुँच गये।

ईश्व र को ज्ञानस्वनरूप माना जाता है। कृष्णईश्वभर के पूर्ण अवतार थे अतः ज्ञान के अनन्त स्रोत थे। गीता जैसा अद्भुत आध्या त्मिक ग्रंथ उनके श्रीमुखसे प्रकट हुआ है। गीता मेंउन्हों ने धर्म की ऐसी व्याख्यास की कि सामान्य कर्मों को ईश्वउर की पूजा का माध्यपम बना दिया और यज्ञ का अर्थ वह सभी कर्म कर दिये जो अनासक्ति पूर्वक लोक कल्यारण के लिए किये जाते थे। इस प्रकार धर्म बड़े राजाओं के द्वारा कियेजानेवालेभव्यम यज्ञों से निकलकर आम लोगों के लिए सुलभ हो गया। उन्हों नेस्वलयं गीता में कहा है कि मेरे जन्मध और कर्म दिव्यर हैं (गीता 4.9) उन्हों ने माता यशोदा और अर्जुन को अपनेविश्व रूप का दर्शन कराया,स्पजर्श मात्र से कुब्जाा को सुन्द र युवती बना दिया, जयद्रथ वध के लिए असमय में ही शाम कर दी, शिशु अवस्थाक में ही राक्षसों का वध किया, उत्त रा के गर्भ में अंगुष्ठी पुरुष के रूप में प्रवेश कर परीक्षित की ब्रह्मास्त्रथ से रक्षा की आदि कार्य सामान्यतव्यक्ति के लिए संभव नहीं थे। श्रीकृष्णं का सौंदर्य इतना अलौकिक था कि कालयवन तक उन्हों देखकर स्ताब्धय रह गया था। गोपियों के तो वह प्राण थे। उनकी मुरली की तान पर जड़, चेतन, पशु, पक्षी तक मुग्धा हो जाते थे। गाएँ घास चरना और अपने बछड़ों को दूध पिलाना तक भूल जाती थीं। कठिन से कठिन परिस्थिति में भी वह कभी चिन्तित नहीं रहे। हर जगह आनन्दपही आनन्द बिखेरा। जीवन का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं जहाँ कृष्णि ने पूर्णता का प्रदर्शन न किया हो। ब्रह्म के गुण -ज्ञान, प्रेम और शक्ति-कृष्ण् में पूर्णता से प्रकट हुए थे इसलिए वह ईश्वशर के पूर्णावतार कहे जाते हैं।

(आईएएस अधिकारी तथा धर्म, दर्शन और अध्यात्मण के साधक)

कृष्ण लीला में निहित जीवन दर्शन -

(लेखिका - डॉ. रीना मालपानी)

देवकीनंदन, यशोदानन्दन, द्वारिकाधीश, आनन्दसागर, दयानिधि कृष्ण के स्वरुप का वर्णन एवं गुणगान असंभव है। कृष्ण तो वो विलक्षण व्यक्तित्व है जिसकी कल्पना स्वप्न से भी परे है। पुरषोत्तम, मुरलीमनोहर, श्याम सुन्दर के किस रूप का वंदन करें, बाल्यरूप, सखारूप, प्रेमी स्वरुप, पुत्र रूप, ज्ञान के प्रवर्तक प्रत्येक रूप एक अनोखी लीला है, जिसकी गूढ़ता समझ पाना तो प्राणिमात्र के लिए संभव ही नहीं है। हम लोग सदैव जीवन में विषमताओं से घबराते है, पर मधुसूदन का जीवन तो विषमताओं के कालचक्र से ही घिरा रहा। उन्होंने तो जन्म से ही विषमताओं से ही साक्षात्कार किया। केशव पशु प्रेमी भी थे इसलिए उन्होंने अपने कृष्ण जन्म में गौ माता की खूब सेवा की। प्रकृति प्रेमी स्वरुप में उन्होंने गोवर्धन पर्वत का आश्रय लिया। संगीत प्रेमी मुरलीमनोहर ने मुरली की तान से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। माखनचोर मुरलीमनोहर का प्रत्येक रूप मोहनीय है। भक्तवत्सल श्यामसुंदर भगवन को आप जिस स्वरुप में ध्याओगे वे उसी रूप में आपके समक्ष प्रत्यक्ष हो जाएंगे। कृष्ण तो एक ऐसा दिव्य प्रकाशपुँज है जो सदैव मानव जीवन को कष्टों और विघ्नों से तारने के लिए तारणहार रूप में अवतरित हुआ। कृष्ण के जीवन में नारी शक्ति एवं उनके प्रति सम्मान विशेष दिखाई देता है इसलिए तो वे सदैव राधा के साथ अपनी पूर्णता प्रदर्शित करते है और राधे-राधे के उद्घोष से प्रफुल्लित हो उठते है। वासुदेव ने सदैव मुक्ति का मार्ग ही प्रशस्त किया। कृष्णरज को जिसने प्राप्त कर शिरोधार्य कर लिया वह तो तारणहार के द्वारा भवसागर से तर गया। हमें नन्द गोपाल से मिलने के लिए केवल श्रद्धा के पथ पर अनवरत चलना होगा। कमलनयन की आराधना और भक्ति के रस में जो आनंदविभोर हो उठता है वह सांसारिक बंधन से कहीं ऊपर उठ जाता है।

श्रद्धा और प्रेम की डुबकी से ही श्री कृष्ण के दर्शन संभव है। कृष्ण का अवतरण तो देवत्व की सुगंध से सृष्टि को सम्मोहित करने के लिए हुआ था। कृष्ण ने तो ममता को अनमोल सुख देने के लिए अनूठी लीलाएँ रची। कृष्ण भक्ति की ज्योत से यदि भक्त अपने जीवन को प्रकाशवान कर ले तो उसका जीवन अनंत काल तक आलौकित हो जाएगा। कृष्ण ने तो दुनिया को केवल एक ही भाषा सिखाई है और वह है प्रेम। कृष्ण के लिए प्रेम ही सर्वस्व है। प्रेम के बंधन में बँधकर ही वह गोपियों के साथ घंटों तक रासलीला करते थे। मातृत्व प्रेम के लिए ही वह माखन चुराया करते थे। गोविन्द गोपाल की अटखेलियों का वह रूप माँ की ममता को संतुष्टि प्रदान करता था। देवकीनंदन ने जन्म से ही अपनी सुरक्षा की व्यवस्था कर डाली। यशोदानन्दन और नन्दलाल बनकर संतान सुख प्रदान किया। अनूठी मनमोहक लीलाएँ कर एक ऐसे बालक का सृजन किया जो प्रत्येक युग में हर माँ के लिए कल्पना का सर्वश्रेष्ठ रूप है।

कृष्ण की प्रत्येक छवि सम्मोहित करने वाली है, पर मुरलीधर माखनचोर की लीलाओं पर तो हर कोई अनायास ही मोहित हो जाता है। कन्हैय्या और गोपाल की बाल लीलाओं ने तो सारे संसार को आनंद से भर दिया। कन्हैय्या की भक्ति में तो मुक्ति छुपी है। यदि जीवन में कृष्ण की भक्ति का सूर्य देदीप्यमान हो जाए तो मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग स्वतः ही खुल जाएगा। कृष्ण तो सदैव प्रसन्नता एवं आनंद को अपने भीतर जीवंत रखते थे। संघर्ष से परिपूर्ण तो उनका पूरा जीवनकाल ही था। प्रेम और भक्ति का मिश्रित परिणाम तो श्री कृष्ण ही है। बंधन में बँधा हुआ स्वरुप नर है और जो बंधन से मुक्त हो गया वह तो नारायण स्वरुप है। कृष्ण की प्रत्येक लीला कर्म के अस्तित्व को उजागर करती है। कृष्ण अवतरण के इस प्रमुख उत्सव जन्माष्टमी पर हम श्री कृष्ण के जीवन का चिंतन और मनन करेंगे और भक्तवत्सल भगवान की लीलाओं से आनंद एवं अनूठी शिक्षाएँ ग्रहण करने का प्रयास करेंगे।

विचार मंथन

भारत और इंडिया के विवाद में किसको फायदा

(लेखक-सनत जैन)

जी 20 के शिखर सम्मेलन के मेहमानों को प्रेसिडेंट ऑफ भारत की ओर से निमंत्रण पत्र भेजा गया है। पिछले कई दिनों से इंडिया का नाम संविधान से हटाकर भारत करने के नाम पर बड़ी-बड़ी डिबेट मीडिया चैनलों में हो रही है। सरकार ने संसद का विशेष सत्र 18 सितंबर को बुलाया है। विशेष सत्र में इंडिया का नाम बदलकर भारत किए जाने का बिल पेश किए जाने की बात भी मीडिया के माध्यम से कही जा रही है। सरकार इस बिल के बारे में अभी मौन है। 18 सितंबर 1949 को संविधान सभा के सदस्यों के बीच में भारत का नाम इंडिया या भारत रखा जाए, इसको लेकर काफी बहस हुई थी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ वर्षों लड़ाई लड़कर और हजारों लोगों की शहादत देकर भारत को अंग्रेजों से स्वतंत्र कराया था। संविधान सभा की बैठक में इंडिया नाम को मंजूरी दी गई। बहुमत के आधार पर यह स्पष्ट किया गया कि इंडिया ही भारत होगा, अर्थात दोनों पहचान बनी रहेगी। 75 साल बाद एक बार फिर यह विवाद, गड़े मुर्दे की कब्र से निकालकर जीवित करने की कोशिश की जा रही है। निश्चित रूप से इसका कहीं ना कहीं कोई राजनीतिक मकसद होगा। सरकार इस मुद्दे को तूल दे रही है, तो निश्चित रूप से सरकार को भारत और इंडिया की राजनीति से कोई ना कोई फायदा जरूर होने जा रहा होगा। यह आसानी से समझा जा सकता है। आजादी की लड़ाई लड़ने वालों ने पहले भी इस मामले में खूब विचार विमर्श करके बहुमत के आधार पर फैसला किया था। 75 साल बाद जो लोग नाम बदलने की बात कर रहे हैं। वह सत्ता में बैठे हुए लोग हैं। आजादी की लड़ाई में उनका कोई योगदान था या उनकी कोई समझ है, इसका कोई प्रमाण देखने में नहीं आता है। समय के साथ यदि बदलाव की जरूरत है, तो इसके लिए सारे देश से सभी पक्षों की राय ली गई थी। यदि वही प्रक्रिया अपनाई जाती, तो शायद यह सही माना जाता। लेकिन एकाएक बिल लाकर नाम बदलने की जो बात कही जा रही है। उससे सरकार को फायदा कम और नुकसान ज्यादा होने की संभावना दिखने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने जितने भी कार्यक्रम और योजनाएं बनाई, उनका नाम इंडिया ही रखा। मेक इन इंडिया का बहुत प्रचार प्रसार किया गया। एकाएक इंडिया के नाम से इतना विरोध सरकार को क्यों हो गया है। जब भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक के लिए शुरू की थी। तब राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा नाम दिया था। उस समय सरकार ने भारत जोड़ो यात्रा से दूरी बनाई। मीडिया ने भी दूरी बनाई। ठीक 1 साल पहले भारत शब्द से सरकार असहज थी। ठीक 1 साल बाद भारत शब्द की जिस तरह से सरकार पैरवी कर, इंडिया शब्द का विरोध कर रही है। इसका कारण भी स्पष्ट है, कि विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों ने यूपीए के स्थान पर इंडिया के नाम पर एकजुट होकर नई पहचान दी है। इसके बाद से ही सरकार और भाजपा को इंडिया शब्द से नाराजी देखने को मिली। भाजपा ने 1 साल पहले भी भारत जोड़ो यात्रा में भारत से दूरी बनाई थी। अब इंडिया से दूरी बनाने की कवायद की जा रही है। उसका फायदा भाजपा और सरकार को होने के स्थान पर नुकसान होते हुए दिख रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार जाने अनजाने में भाजपा और सरकार विपक्ष को मजबूत बनाने का काम कर रही है। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया का जितना प्रचार सरकार और भाजपा कर रही है। वह विपक्षी गठबंधन मैं शामिल राजनीतिक दल भी नहीं कर पाए थे। विपक्षी गठबंधन को सारे देश में एक झटके के साथ इंडिया के रूप में पहचान दिलाने का काम, सरकार-भाजपा और मीडिया ने कर दिया है। 2014 से केंद्र की सरकार लगातार नाम बदलकर नए नाम रखकर स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन का इतिहास बदलने का सुनयोजित प्रयास कर रही है। काफी हद तक केंद्र सरकार इसमें सफल रही। राज्य सरकारों ने भी नाम बदलकर, नया नाम, वर्तमान केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी से जोड़ने का प्रयास कर एक नया इतिहास लिखने की कोशिश की है। राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी कहना है, कि 2014 के बाद ही भारत को आजादी मिली है।

उसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिए जाने की मुहिम, सोशल मीडिया और मीडिया में कई वर्षों से चल रही है। यदि इंडिया का नाम बदलकर भारत हो जाता है, तो भारत के नाम से सारी दुनिया में एक नई पहचान, प्रधानमंत्री मोदी के नाम से इतिहास बनाने की यह कोशिश मानी जा रही है।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है।

सोलह कलाओं के अवतार हैं

श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है। सच में कृष्ण ने समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति का सम्मान बढ़ाया, जो जिस भाव से सहायता की कामना लेकर कृष्ण के पास आया, उन्होंने उसी रूप में उसकी इच्छा पूरी की। अपने कार्यों से उन्होंने लोगों का इतना विश्वास जीत लिया कि आज भी लोग उन्हें 'भगवान श्रीकृष्ण' के रूप में ही मानते और पूजते हैं।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है। कृष्ण ने सारी दुनिया को कर्मयोग का पाठ पढ़ाया। उन्होंने प्राणीमात्र को यह संदेश दिया कि केवल कर्म करना आदमी का अधिकार है। फल की इच्छा रखना उसका अधिकार नहीं। इंसान सुख और दुख दोनों में भगवान का स्मरण करता है। श्रीकृष्ण का जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उनके जीवन को हम तीन भागों में विभक्त करें तो वे जेल में पैदा हुए, महल में जिए और जंगल से विदा हुए। जेल में पैदा होना बुरी बात नहीं है, जेल में जीना और मरना अपराध हुआ करता है। आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। भगवान श्रीकृष्ण, मर्यादा पुरुषोत्तम राम और भगवान महावीर आदि महापुरुषों ने हमें जीवन जीने की सीख दी है। राम, कृष्ण एवं महावीर का जीवन अलग-अलग मर्यादाओं और संदेशों पर आधारित है। राम ने जीवन भर मर्यादाएं नहीं तोड़ीं, वे देव बनकर जिए। श्रीकृष्ण वाकपुटता में जीवन जीते रहे। मर्यादाओं से नीरस हुए जीवन को कृष्ण ने रस और आनंद से भर दिया, लेकिन महावीर ने परम विश्राम और समाधि का सूत्र दिया। उन्होंने मौन साधना सिखाई। मित्रता सीखनी हो तो कृष्ण से सीखो वे सबको अपने समान चाहते थे। उनकी दृष्टि में अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं था। अतः हमें भी कृष्ण की इसी सीख को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

व्रत-पूजन कैसे करें

उपवास की पूर्व रात्रि को हल्का भोजन करें और ब्रह्मचर्य का पालन करें।

उपवास के दिन प्रातःकाल स्नानादि नित्य कर्मों से निवृत्त हो जाएं।

तत्पश्चात सूर्य, सोम, यम, काल, संधि, भूत, पवन, दिक्पति, भूमि, आकाश, खेचर, अमर और ब्रह्मादि को नमस्कार कर पूर्व या उत्तर मुख बैठें।

इसके बाद जल, फल, कुश और गंध लेकर संकल्प करें

ममखिलपापप्रशमनपूर्वक सर्वाभीष्टसिद्धये श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतमहं करिष्ये॥

अब मध्याह्न के समय काले तिलों के जल से स्नान कर देवकीजी के लिए सूतिकागृह नियत करें।

तत्पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

मूर्ति में बालक श्रीकृष्ण को स्तनपान कराती हुई देवकी हों और लक्ष्मीजी उनके चरण स्पर्श किए हों अथवा ऐसे भाव हो।

इसके बाद विधि-विधान से पूजन करें

पूजन में देवकी, वसुदेव, बलदेव, नंद, यशोदा और लक्ष्मी इन सबका नाम क्रमशः निर्दिष्ट करना चाहिए।

फिर इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पण करें-

प्रणमे देव जननी त्वया जातस्तु वामनः।
वसुदेवात तथा कृष्णो नमस्तुभ्यं नमो नमः।
सुपुत्रार्घ्यं प्रदत्तं में गृहाणेमं नमोऽस्तुते।

अंत में प्रसाद वितरण कर भजन-कीर्तन करते हुए रतजगा करें।

श्रीकृष्ण बना रहे

मालामाल

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट शृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण दीन दयाल कहलाते हैं। जो भी इनकी शरण में आ जाता है, उसे धनवान बना देते हैं। श्रीकृष्ण की कृपा से हिंदू हमेशा से धनवान होते रहे हैं, लेकिन श्रीकृष्ण की लीलास्थली में मुसलमान भी श्रीकृष्ण की कृपा से निहाल हो रहे हैं और श्रीकृष्ण उन्हें मालामाल बना रहे हैं।

ऐसे कृपा बरस रही है कृष्ण की

वृंदावन के मुसलमानों को श्रीकृष्ण इसलिए मालामाल बन रहे हैं कि यहां के मुसलमान हिंदुओं की आस्था के केंद्र ठाकुर जी के लिए पूरी निष्ठा के साथ एक से बढ़कर एक शानदार पोशाकें, मुकुट शृंगार तैयार कर रहे हैं।

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट शृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं। कई परिवार वर्षों से ठाकुरजी की पोशाक और मुकुट शृंगार को मूर्त रूप प्रदान करते आए हैं। यह हमारी जीविका का साधन भी है। सैकड़ों मुस्लिम परिवारों का पालन ठाकुरजी की पोशाक और शृंगार के निर्माण से चल रहा है।

विदेशों में भी इनके कपड़े पहनते हैं श्रीकृष्ण

वृंदावन के मुस्लिम समाज द्वारा बनाई गई पोशाक गुजरात के अहमदाबाद स्थित अक्षरधाम के राधा-कृष्ण के श्री विग्रह और दिल्ली एवं पंजाबी बाग के इस्कान मंदिर के श्री विग्रह धारण करेंगे। वृंदावन में बनाई जाने वाली पोशाकों की मांग इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया के भारतीय मूल के लोगों के अलावा विदेशी भी अधिक पसंद करते हैं। वे वृंदावन से खरीदकर अपने अपने देश ले जाते हैं।

राधा और कृष्ण का आपस में

कैसा नाता

भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के बारे में यह माना जाता है कि इन दोनों के बीच प्रेम संबंध था, जबकि असलियत यह है कि कृष्ण और राधा के बीच प्रेम से बढ़कर भी एक नाता था। यह नाता है पति-पत्नी का, लेकिन इस रिश्ते के बारे में सिर्फ तीन लोगों को पता था- एक तो कृष्ण, दूसरी राधा रानी और तीसरे ब्रह्मा जी, जिन्होंने कृष्ण और राधा का विवाह करवाया था, लेकिन इन तीनों में आपके कोई भी इस बात की गवाही देने नहीं आएगा, लेकिन जिस स्थान पर इन दोनों का विवाह हुआ था, वहां के वृक्ष आज भी राधा-कृष्ण के प्रेम और मिलन की गवाही देते हैं।

तब राधा-कृष्ण का विवाह संपन्न हुआ

गर्ग संहिता के अनुसार, मथुरा के पास स्थित भांडीर वन में भगवान श्रीकृष्ण और देवी राधा का विवाह हुआ था। इस संदर्भ में कथा है कि एक बार नंदराय जी बालक श्रीकृष्ण को लेकर भांडीर वन से गुजर रहे थे। उसी समय अचानक देवी राधा प्रकट हुई। देवी राधा के दर्शन पाकर नंदराय जी ने श्रीकृष्ण को राधा जी की गोद में दे दिया। श्रीकृष्ण बाल रूप त्याग कर किशोर बन गए। तभी ब्रह्मा जी भी वहां उपस्थित हुए। ब्रह्मा जी ने कृष्ण का विवाह राधा से करवा दिया। कुछ समय तक कृष्ण राधा के संग इसी वन में रहे। फिर देवी राधा ने कृष्ण को उनके बाल रूप में नंदराय जी को सौंप दिया।

राधा जी की मांग में सिंदूर

भांडीर वन में राधाजी और भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर में स्थित विग्रह अपने आप अनोखा है, क्योंकि यह अकेला ऐसा विग्रह है, जिसमें श्रीकृष्ण भगवान राधाजी की मांग में सिंदूर भरते हुए दृश्य हैं।

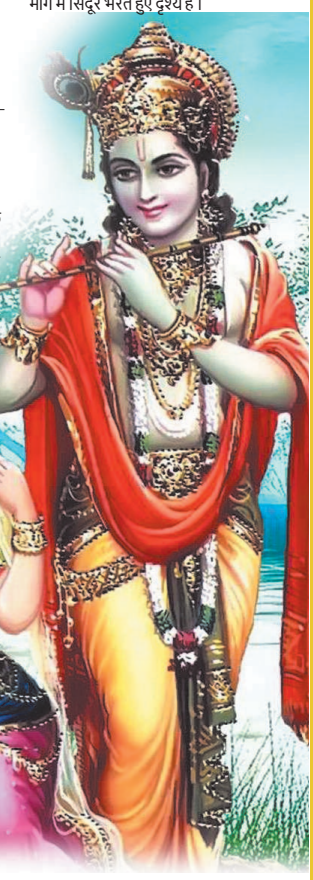

भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश

गीता के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अनासक्त कर्म यानी 'फल की इच्छा किए बिना कर्म' करने की प्रेरणा दी। इसका प्रमाण उन्होंने अपने निजी जीवन में भी प्रस्तुत किया। मथुरा विजय के बाद भी उन्होंने वहां शासन नहीं किया।

कला से प्रेम करो : संगीत और कलाओं का हमारे जीवन में विशिष्ट स्थान है। भगवान ने मोरपंख और बांसुरी धारण करके कला, संस्कृति एवं पर्यावरण के प्रति अपने लगाव को दर्शाया। इनके जरिए उन्होंने संदेश दिया कि जीवन को सुंदर बनाने में संगीत और कला का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

निर्बल का साथ दो : कमजोर एवं निर्बल का सहारा बनो। निर्धन बाल सखा सुदामा हो या षड्यंत्र का शिकार पांडव, श्रीकृष्ण ने सदा निर्बलों का साथ दिया और उन्हें मुसीबत से उबारा।

अन्याय का प्रतिकार करो : अन्याय का सदा विरोध होना चाहिए। श्रीकृष्ण की शांतिप्रियता कायर की नहीं, बल्कि एक वीर की थी। उन्होंने अन्याय कभी स्वीकार नहीं किया। शांतिप्रिय होने के बावजूद शत्रु अगर गलत है तो उसके शमन में पीछे नहीं हटें।

मातृशक्ति के प्रति आदर भाव रखें : महिलाओं के प्रति सम्मान और उन्हें साथ लेकर चलने का भाव हो। भगवान कृष्ण की रासलीला दरअसल मातृशक्ति को अन्याय के प्रति जागृत करने का प्रयास था और इसमें राधा उनकी संदेशवाहक बनीं।

अपने अहंकार को छोड़ो : व्यक्तिगत जीवन में हमेशा सहज एवं सरल बने रहो। जिस तरह शक्ति संपन्न होने पर भी श्रीकृष्ण को न तो युधिष्ठिर का दूत बनने में संकोच हुआ और न ही अर्जुन का सारथी बनने में। एक बार तो दुर्योधन के छप्पन व्यंजन को छोड़कर विदुरानी (विदुर की पत्नी) के घर उन्होंने सादा भोजन करना पसंद किया।

जीवन में उदारता रखें : उदारता व्यक्तित्व को संपूर्ण बनाती है। श्रीकृष्ण ने जहां तक हो सका मित्रता, सहयोग सामंजस्य आदि के बल पर ही परिस्थितियों को सुधारने का प्रयास किया, लेकिन जहां जरूरत पड़ी, वहां सुदर्शन चक्र उठाने में भी उन्होंने संकोच नहीं किया। वहीं अपने निर्धन सखा सुदामा का अंत तक साथ निभाया और उनके चरण तक पखारे।

कविताएं

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार,
दही की हांडी, बारीश की फुहार,
माखन चुराने आया नंदलाल,
यशोमती मैया का नंदगोपाल !

राधा की भक्ति, मुरली की मिठास,
माखन का स्वाद और गोपियों का रास,
इन्ही सबसे मिलकर बनता है,
जन्माष्टमी का ये दिन ख़ास !

मुरली मनोहर, ब्रिज के धरोहर,
मुरली की मधुर आवाज़, झूम उठे ये बहार,
कृष्ण जिनका नाम, गोकुल जिनका धाम,
श्री कृष्ण भगवान को हम सबका प्रणाम !

कान्हा

द्वापर में भादों के महीने में
काली अंधेरी रात में
जन्म लिया कान्हा ने
मथुरा में कारागार के कक्ष में।
था दिवस चमत्कारी
सारे बंधन टूट गए
द्वार के ताले स्वतः खुले
जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।
बेटे को बचाने के लिए
गोकुल जाने के लिए
वासुदेव ने जैसे ही
जल में पैर धरा
जमुना की श्रद्धा ऐसी जागी
बाढ़ आ गई नदिया में।
बाहर पैर आते ही
कान्हा के पैरों को पखारा
जैसें ही छू पाया उन्हें
अद्भुत शांति छाई जल में।
सारा गोकुल धन्य हो गया
कान्हा को पा बाहों में
गोपिया खो गईं
मुरली की मधुर धुन में।
बंधीं प्रेम पाश में उसके
रम कर रह गईं उसी में
ज्ञान उद्धव का धरा रह गया
उनको समझाने में।
वे नहीं जानती थीं उद्देश्य
कृष्ण के जाने का
कंस के अत्याचारों से
सब को बचाने का।
अंत कंस का हुआ
सुखी समृद्ध राज्य हुआ
कौरव पांडव विवाद में
मध्यस्थ बने सहायता की।
सच्चाई का साथ दिया
युद्ध से विचलित अर्जुन को
गीता का उपदेश दिया
आज भी है महत्व जिसका।
जन्म दिन कान्हा का
हर साल मनाते हैं
श्रद्धा से भर उठाते हैं
जन्माष्टमी मनाते हैं।

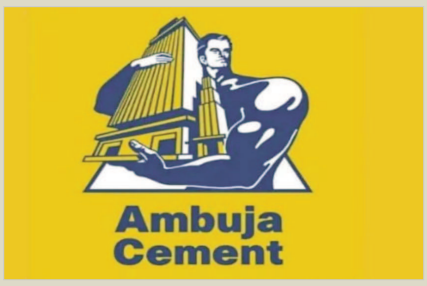

अंबुजा सीमेंट के टॉप मैनेजमेंट में इस्तीफा, गिरा शेयर का भाव

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट के टॉप मैनेजमेंट में इस्तीफे की खबर के बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट देखी गई। अंबुजा सीमेंट के चीफ प्रोजेक्ट्स ऑफिसर, के ए चौधरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। चौधरी का ये इस्तीफा 8 सितंबर 2023 से लागू होगा। अंबुजा सीमेंट ने शेयर बाजार को मैनेजमेंट में बदलाव की जानकारी दी है।इसके बाद से शेयर में करीब पौने एक फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है। फिलहाल, कंपनी ने इस पद किसी नई नियुक्ति के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है। एक्सपर्ट मानते हैं, कि अंबुजा सीमेंट आने वाले 3 वर्षों में अपनी कैपेसिटी को काफी तेजी से बढ़ता हुआ नजर आएगा। कंपनी के नतीजों पर नजर डालें तो अंबुजा सीमेंट का स्टैंडअलोन प्रॉफिट 31 दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही में 46 प्रतिशत बढ़कर 368.99 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यह 252.81 करोड़ रुपये था। इसी अवधि के दौरान कंपनी की बिक्री सात प्रतिशत बढ़ गई। परिचालन से राजस्व एक साल पहले के 3,739.9 करोड़ रुपये से 10 प्रतिशत बढ़कर 4,128.5 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की एबिटा 17.5 प्रतिशत के मार्जिन के साथ 715 करोड़ रुपये रही। पिछली तिमाही की तुलना में कंपनी का नेट रेवेन्यू 11 प्रतिशत बढ़कर 8,036 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, एबिटा 161 फीसदी बढ़कर 1,138 करोड़ हो गया और एबिटा मार्जिन 6.2 फीसदी से बढ़कर 14.6 फीसदी हो गया।

सैमसंग ने गैलेक्सी ए54 5जी और ए34 5जी के दामों में की कटौती

मुंबई । सैमसंग ने बुधवार को गैलेक्सी ए54 5जी और गैलेक्सी ए34 5जी स्मार्टफोन पर नए ऑफर्स की घोषणा की। इसमें फोन भारत में उपभोक्ताओं के लिए 26,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होगा। संशोधित कीमत में 2,000 रुपये का तत्काल कैशबैक और आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं के लिए 2,000 रुपये का अतिरिक्त बैंक कैशबैक शामिल है। कंपनी के मुताबिक, गैलेक्सी ए54 8जीबी प्लस 256जीबी वैरिएंट, जिसे 40,999 रुपये में लांच किया गया था। वह अब सिर्फ 36,999 रुपये में खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। इसके अलावा उपभोक्ता शून्य डाउन पेमेंट के साथ सुविधाजनक 12 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई का लाभ उठा सकते हैं। गैलेक्सी ए54 में 12एमपी अल्ट्रा-वाइड लेंस के साथ 50एमपी ओआईएस प्राइमरी लेंस है, जबकि गैलेक्सी ए34, 48एमपी ओआईएस प्राइमरी लेंस और 8एमपी अल्ट्रा-वाइड लेंस के साथ आता है। दोनों मॉडल 5एमपी मैक्रो लेंस से भी लैस हैं। कंपनी ने कहा कि यह 5000 एमएएच की बैटरी के साथ आते हैं जो एक बार चार्ज करने पर दो दिनों से अधिक समय तक चल सकती है। दोनों डिवाइसों में 120 हर्ट्ज की ताजा दर है।

डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपये में गिरावट जारी

इस्लामाबाद । देश के केंद्रीय बैंक के अनुसार, पाकिस्तानी रुपया (पीकेआर) अमेरिकी डॉलर के मुकाबले फिर टूटता हुआ नए रिकॉर्ड निचले स्तर तक उतर गया है। रिपोर्ट के अनुसार, स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने कहा कि मंगलवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में डॉलर का कारोबार 307.10 पाकिस्तानी रुपये पर हुआ। अमेरिकी डॉलर सोमवार को 305.64 रुपये के तत्कालीन रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सप्ताह के दूसरे सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले स्थानीय मुद्रा में 1.46 पाकिस्तानी रुपये या लगभग 0.48 प्रतिशत की गिरावट आई। अर्थशास्त्र थिंक-टैंक और कॉर्पोरेट सलाहकार, टैगेंट के संस्थापक फहीम सरदार ने कहा कि तीन मुख्य कारक, आपूर्ति, हेरफेर और अटकलें रुपये में लगातार गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि बैंकिंग चैनलों को दरकिनार कर पड़ोसी देश में बहुत सारे डॉलर भेजे जा रहे हैं, जिससे घरेलू बाजार में इसकी मांग बढ़ रही है।

मौद्रिक नीति को दूरदर्शी होना चाहिए : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि मौद्रिक नीति को दूरदर्शी होना चाहिए, क्योंकि पीछे देखने का दृष्टिकोण दुर्घटनाओं को जन्म दे सकता है। आरबीआई गवर्नर दास ने कहा कि मौद्रिक नीति का संचालन संभावित गड्ढों और गति बाधाओं वाली सड़क पर कार चलाने जैसा है। चूंकि मौद्रिक नीति लंबे और परिवर्तनीय अंतराल के साथ काम करती है, प्रमुख व्यापक आर्थिक चर के पूर्वानुमान मौद्रिक नीति के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसकारण मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचे को मुद्रास्फीति पूर्वानुमान लक्ष्यीकरण ढांचे के रूप में भी कहा जाता है। उन्होंने कहा, वास्तविक जीवन में सादृश्य लेने के लिए मौद्रिक नीति का संचालन संभावित खाइयों और गति अवरोधों वाली सड़क पर कार चलाने जैसा है।

चालक को अपनी कार की गति को नियंत्रित करने और बातचीत करते समय खाई या स्पीड बम्प पर नजर रखने की जरूरत है। यदि ड्राइवर अचानक स्पीड बम्प पर प्रतिक्रिया करता है, तब वह नियंत्रण खोने और दुर्घटना होने का जोखिम उठाता है। इसलिए, मौद्रिक नीति का सफल संचालन मुद्रास्फीति और विकास जैसे प्रमुख चर के विशे वसनीय पूर्वानुमानों पर निर्भर करता है। दूसरे शब्दों में, मौद्रिक नीति को दूरदर्शी होना चाहिए। रियर व्यू मिरर से नीतिगत त्रुटियां हो सकती हैं। दास ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए मूल्य स्थिरता पर नजर रखना और उसके अनुसार कार्य करना महत्वपूर्ण है।

दास ने कहा, इसके अलावा, एमपीसी यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहती है कि मूल्य वृद्धि के सामान्यीकरण के रूप में मुद्रास्फीति के दूसरे क्रम के प्रभावों को बढ़ने न दिया जाए। उन्होंने कहा, मूल्य स्थिरता पर नजर रखना और उचित तरीके से कार्य करना जरूरी है। हम अब 4 फीसदी के लक्ष्य पर मजबूती से केंद्रित हैं।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि पिछले अनुभव के आधार पर आरबीआई एक अद्वितीय और अभिनव दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम था, जिसने आरबीआई को कोविड के समय किए गए विशेष उपायों को वापस लेने में सक्षम बनाया है। दास ने कहा, जब तक आप उन्हें समय पर वापस नहीं लाते, यह वित्तीय स्थिरता को कमजोर कर देगा।

एक्सेस हेल्थकेयर में होगी 1,500 से अधिक कर्मचा रियों की भर्ती

मुंबई ।

एक्सेस हेल्थकेयर में डेढ़ हजार से अधिक कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। कंपनी ने कहा कि वह देश में अगले दो महीनों में पेशेवरों की भर्ती करने की योजना बना रही है। तीसरा-पक्ष राजस्व चक्र प्रबंधन कंपनी एक्सेस हेल्थकेयर ने एक बयान में कहा कि यह नियुक्तियां विभिन्न भूमिकाओं जैसे अनुभवी कॉलर्स, प्रमाणित मेडिकल कोडर, मेडिकल बिलिंग पेशेवर, वित्त और लेखा और कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- एआई) और ऑटोमेशन में होंगी। इसमें कहा गया है कि नए स्नातकों को कॉल सेंटर की नौकरियों के लिए भी नियुक्त किया जाएगा। मौजूदा समय में एक्सेस हेल्थकेयर के देश में छह केंद्रों - चेन्नई, कोयंबटूर, मुंबई, पुणे, नोएडा और तिरुवनंतपुरम में 22,272 कर्मचारी हैं। इसमें कहा गया है कि नई भर्तियां सभी केंद्रों के लिए हैं। एक्सेस हेल्थकेयर के संस्थापक और उपाध्यक्ष वर्धमान जैन ने कहा कि यह विस्तार तकनीकी उत्कृष्टता द्वारा परिभाषित भविष्य में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र का नेतृत्व करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

आईटीसी लिमिटेड को एक लाख रुपये का पड़ा एक बिस्किट

कंज्यूमर फोरम ने लगाया जुर्माना

मुंबई । भारत की दिग्गज कंपनी आईटीसी लिमिटेड को एक बिस्किट एक लाख रुपए में पड़ा है। उपभोक्ता फोरम में कई बार इसतरह के मामले सामने आते हैं जो लोगों को हैरान कर देते हैं। एक ऐसा ही मामला चेन्नई का है, जहां आईटीसी लिमिटेड पर फोरम ने तगड़ा जुर्माना लगाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक आईटीसी को बिस्किट के पैकेट में एक बिस्किट कम रखना बहुत भारी पड़ गया। इस कारण कोर्ट ने कंपनी को एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।दरअसल, चेन्नई में एमएमडीए माथुर केपी दिलीबाबू नाम के एक व्यक्ति ने मनाली की एक दुकान से सड़क पर घूम रहे आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए सन फीस्ट मैरी लाइट का एक बिस्किट का पैकेट खरीदा। इस पैकेज में कुल 16 बिस्किट होते है, लेकिन शख्स को एक बिस्किट कम मिला। शख्स ने मामले पर कंपनी से पूछताछ की जहां कंपनी से कोई सही जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज कराई। दिलीबाबू ने मामले पर कंज्यूमर फोरम में अपनी दलील रखकर कहा कि आईटीसी कंपनी हर दिन 75 पैसे के बिस्किट अपने पैकेट में कम डालती है। वहीं हर दिन कंपनी द्वारा 50 लाख बिस्किट पैकेट का उत्पादन किया जाता है। इसके बाद हर दिन कंपनी 29 लाख रुपए के माल की धोखाधड़ी कर रही है। वहीं मामले पर कंपनी ने सफाई देकर कहा कि वह अपने माल को वजन के आधार पर देती है। कंपनी ने अपने पैकेट में बिस्किट का वजन 76 ग्राम लिखा हुआ था लेकिन इसकी जांच करने पर 15 बिस्किट वाले पैकेट में केवल 74 ग्राम बिस्किट मिला। मामले पर सुनवाई में आईटीसी के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि साल 2011 के कानूनी माप विज्ञान नियमों के अनुसार पैक किए सामान में अधिकतम 4.5 ग्राम प्रति पैकेट के हिसाब से गलती की गुंजाइश को अनुमति मिली है। मगर कोर्ट इस दलील से सहमत नहीं था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 100 , निफ्टी भी 36 अंक उछला

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी बढ़ने से बाजार में ये तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद तीसर शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100.26 अंक करीब 0.15 फीसदी की बढ़त के साथ ही 65,880.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 65,971.13 के उच्च स्तर तक जाने के बाद 65,488.03 तक फिसला। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 36.15 अंक तकरीबन 0.18 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी दिन के अंत में 19,611.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,636.45 तक ऊपर जाने के बाद 19,491.50 तक नीचे आया। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 17 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और आईटीसी सेंसेक्स के सबसे बढ़ने वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा लाभ भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.57 फीसदी तक ऊपर आये। इसके अलावा सन फार्मा, बजाज फाइनैंस, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, महिंद्रा, कोटक, नेस्ले, रिसायंस, एचसीएल टेक और टीसीएस पावर ग्रिड के शेयर भी उछले।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 13 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईसीसीआई बैंक और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। सबसे ज्यादा टाटा स्टील के शेयरों करीब 1.67 फीसदी तक टूटे।बीएसई में पंजीकृत कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर 6 सितंबर को बढ़कर 317.36 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया जबकि ये पिछले कारोबारी दिन 316.64 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 72 हजार करोड़ रुपये बढ़ा है। इस प्रकार से निवेशकों की संपत्ति में करीब 72 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार की बुधवार को सपाट शुरुआत हुई है। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर

संकेतों के साथ ही निवेशकों की बेरुखी से बाजार में उतार-चढ़ाव दिखा। वहीं प्री-ओपनिंग में भी बाजार में हल्की गिरावट दर्ज की गयी।

दूसरी ओर अमेरिकी बाजार भी गिरा है। डाओ जोन्स में 195 अंक की गिरावट रही जबकि नैस्डैक 10 अंक टूटकर कारोबार करता दिखा। इसके अलावा अमेरिका में 10 साल की बॉन्ड यील्ड 4.25 फीसदी उछल गयी। इसके अलावा एशिया पैसिफिक बाजारों में भी मिश्रित कारोबार रहा । एसएंडपी 500 में गिरावट दर्ज की गयी और ये 0.4 फीसदी टूटा। इसके अलावा हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स में 0.1 फीसदी की बढ़त रही। जापान के निक्केई 225 के इंडेक्स में 0.3 फीसदी की बढ़त रही।

आईपीओ के मामले में 2023 अब तक सबसे अच्छा साल रहा

मुंबई ।

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के सूचीबद्ध होने के बाद से बाजार में शेयर के प्रदर्शन की बात करें तब 2023 पिछले कुछ सालों में सबसे अच्छा साल साबित हुआ है। जल परियोजनाएं संभालने वाली कंपनी विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया इस साल आईपीओ लाने वाली 20वीं कंपनी है। इस साल बाजार में 20 आईपीओ आए और और स्टॉक एक्सचेंज पर पहले दिन इनमें औसतन 34 फीसदी की तेजी आई है। सूचीबद्ध होने से आज तक इनमें औसतन 46 फीसदी तेजी आ चुकी है। इन 20 कंपनियों में से केवल एक कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य से नीचे चल रहा है।

इसमें से जिन शेयरों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है उनमें साइंट डीएलएम सबसे आगे है, जो अपने निर्गम मूल्य से 171 फीसदी चढ़ चुका है। उत्कर्ष लघु वित्त बैंक का भाव निर्गम मूल्य से 94 फीसदी ऊपर चल रहा है और शाह पॉलिमर्स 75 फीसदी चढ़ गया है। मगर उदयशिवकुमार इन्फ्रा और पिरामिड टेक्नोप्लास्ट अपने निर्गम मूल्य से नीचे कारोबार कर रहे हैं। विश्लेषकों ने कहा कि शेयर बाजार में तेजी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से लगातार लिवाली के कारण आईपीओ की मांग और सूचीबद्धता के बाद प्रदर्शन शानदार रहा है। इस साल अभी तक सेंसेक्स 8.1 फीसदी चढ़ा है और बीएसई मिडकैप में 26.7 फीसदी तथा स्मॉलकैप में 31.2 फीसदी की तेजी आई है। इस साल अभी तक विदेशी निवेशकों ने 1.4 लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। नई सूचीबद्ध कंपनियों का प्रदर्शन मापने वाला बीएसई आईपीओ सूचकांक इस साल अभी तक 22.4 फीसदी ऊपर चढ़ चुका है। बैंकरों का कहना है कि शुरुआती महीनों में निवेशकों के बीच थोड़ी हिचकिचाहट देखी जा रही थी और वे बेहतर कारोबारी मॉडल तथा मजबूत संचालन वाली कंपनियों पर ही दांव लगा रहे थे। आईपीओ के लिए तय शेयरों से ज्यादा मांग की वजह से भी सूचीबद्ध होने के बाद शेयरों के दाम में तेजी देखी जा रही है।'आईपीओ को उसकी स्थिति के हिसाब से लेने का यह चलन आगे भी जारी रहेगा क्योंकि निवेशक समझदारी दिखा रहे हैं।

ट्रेडर्स के लिए अच्छी खबर, शेयर बेचते ही खाते में तुरंत पहुंचेगा पैसा

नई दिल्ली । शेयर मार्केट में पैसा लगाने वालों के लिए अब एक और नई सु विधा जुड़ने जा रही है। अब ट्रेडिंग के दौरान शेयर बेचने पर तुरंत खाते में पैसा ट्रांसफर होगा। सेबी ने कहा है कि अब ट्रेडर्स को ट्रेड सेटलमेंट के लिए एक दिन का भी इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सिक्योरिटी और एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया, सेबी का इरादा अगले साल तक एक घंटे में ही ट्रेड सेटलमेंट करने का है। इसका मतलब है कि अगर आप शेयर खरीदते हैं तो डीमैट अकाउंट में शेयर एक घंटे के भीतर ही आ जाएंगे। वहीं, अगर आप शेयर बेचते हैं तो पैसा भी एक घंटे में ही आपके अकाउंट में होगा। अभी ट्रेड सेटलमेंट टी+1 फार्मूले से होता है। अगर कोई निवेशक आज शेयर खरीदता है तो उसके डीमैट अकाउंट में स्टॉक परसों क्रेडिट होते हैं। सेबी शेयर बाजारों में ट्रांजैक्शन का इंस्टैंट सेटलमेंट लागू करने की प्रक्रिया पर काम कर रहा है। सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में कहा कि भारत दुनिया में टी+1 सेटलमेंट सिस्टम लागू करने वाला दुनिया का पहला देश है। अब हम एक घंटे में निपटान की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। हमारे पास एक घंटे में सेटलमेंट करने में सक्षम तकनीक है। हमें बस इसे लागू ही करना है। बुच ने कहा कि सेबी की योजना तात्कालिक सेटलमेंट की भी है। तात्कालिक निपटान के लिए हमें और तकनीकी विकास करना होगा और इसके लिए 6-8 महीने लग सकते हैं।

सौदे महज एक घंटे के भीतर निपटाने की तैयारी में सेबी

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) अगले साल सौदे महज एक घंटे के भीतर निपटाने की तैयारी में जुट गई है। सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने इसके संकेत देकर कहा कि 2024 के अंत तक सौदों का निपटान तुरंत करने की सुविधा देने की उनकी कोशिश है। माधवी बुच ने कहा, 'भारत दुनिया का ऐसा पहला देश है, जिसने टी प्लस वन निपटान (सौदे के अगले दिन निपटान) शुरू किया है। अब हम सौदों को महज एक घंटे में निपटाने की बात कर रहे हैं जो तत्काल निपटान की दिशा में बड़ा कदम होगा। यह जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा।' सेबी ने जनवरी तक सेकंडरी बाजार के लिए अस्बा जैसा मॉडल शुरू करने की योजना भी बनाई है। बाजार नियामक अगले साल के शुरुआती महीनों में सौदे एक घंटे में निपटाने की सुविधा शुरू करने की तैयारी में है। सौदों का तत्काल निपटान वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही तक लागू होने की उम्मीद है। माधवी बुच ने कहा, सौदों को घंटे भर में निपटाने के लिए प्रौद्योगिकी पहले से ही है। हमें केवल इस व्यवस्था को लागू करना है।

तत्काल निपटान की बात करें तब प्रणाली में कुछ तकनीकी सुधार करने की जरूरत है जिसमें 6 से 8 महीने लग सकते हैं। भारत ने सौदों का निपटान दो दिन से एक दिन के भीतर करने की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से अंजाम दिया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से सबसे छोटी कंपनियों के लिए इस व्यवस्था को पहले लागू किया गया। अधिक पूंजीकरण वाली कंपनियों के लिए टीप्लस वन की शुरुआत इस साल जनवरी के अंत तक हुई। टीप्लस वन में सौदा होने के एक दिन बाद यानी अगले दिन शेयरों और रकम का लेनदेन होता है।

एक घंटे में निपटान के तहत खरीद-फरोख्त के महज एक घंटे के भीतर शेयरों को डीमैट खाते में भेज दिया जाएगा।

बाजार नियामक ने मार्च में अपनी बोर्ड बैठक में द्वितीयक बाजार के लिए अस्बा जैसे मॉडल को मंजूरी देकर संकेत दिया था कि यह वैकल्पिक ही होगा। मगर सौदों के तत्काल निपटान पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने चिंता जाहिर की है। इस पर सेबी प्रमुख ने कहा कि द्वितीयक बाजार की अस्बा जैसी व्यवस्था शुरुआत में एफपीआई के लिए वैकल्पिक होगी। सेबी प्रमुख ने स्टॉक एक्सचेंज, म्युचुअल फंड, पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा परिसंपत्ति प्रबंधन जैसी विनियमित संस्थाओं पर गहरी नजर रखने और खुलासों का बोझ कम करने के लिए आर्टिफीशल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि खुलासों की जानकारी अब सार्वजनिक की जा रही है। यह एआई के लिए सोने की खान की तरह है क्योंकि इसका विश्लेषण कर कमाई की जा सकती है।

वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड की जीत, चार साल बाद वापस मिला कॉपर माइन कंपनी का मालिकाना

अरबपति अनिल अग्रवाल जाबिया सरकार के फैसले का स्वागत किया

मुंबई ।

भारतीय अरबपति अनिल अग्रवाल की वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड ने जांबिया की एक कॉपर माइन कंपनी का मालिकाना हक वापस ले लिया है। कंपनी ने चार साल की कानूनी लड़ाई के बाद विवाद को सुलझा लिया है। इसकी घोषणा कंपनी ने की। वेदांता रिसोर्सेज ने कहा कि जांबिया की सरकार ने कोंकोला कॉपर माइन्स (केसीएम) की ओनरशिप और ऑपरेशनल कंट्रोल को वेदांता सिसोर्सेज को वापस कर दिया है। जांबिया के मिनिस्टर ऑफ माइन्स एंड मिनरल्स डेवलपमेंट पॉल काबुस्वे ने कहा कि केसीएम की ओनरशिप को मेजारिटी शेयरहोल्डर के रूप में वेदांता को फिर से सौंपा जा रहा है। अग्रवाल की कंपनी के पास केसीएम की 79.4 फीसदी हिस्सेदारी है। वेदांता ने कहा कि केसीएम को वापस पाने से दुनिया को कार्बनमुक्त बनाने के लिए एनर्जी ट्रांजिशन में काफी सहायता मिलेगी, क्योंकि इसके पास कॉपर का भंडार है। वेदांता के अनुसार, कोंकोला कॉपर माइन्स के पास कंटेन्ड कॉपर का 1.6 करोड़ टन का रिसोर्सेज और रिजर्व है। साथ ही इसका कॉपर ग्रेड 2.3 फीसदी है जो वैश्विक औसत 0.4 फीसदी से काफी अधिक है। वेदांता रिसोर्सेज के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने जाम्बिया सरकार के फैसले का स्वागत कर कहा कि केसीएम एक मूल्यवान संपत्ति है, क्योंकि फ्यूचर की टेक्नोलॉजी के लिए कॉपर एक महत्वपूर्ण मिनरल है। उन्होंने कहा कि वेदांता अब तांबा की माइनिंग से लेकर इसके प्रोडक्शन तक पूरी तरह से एक इंटीग्रेटेड कंपनी बन जाएगी। वेदांता के पास केसीएम वापस आने से भारक को काफी फायदा होगा। यह फैसला उस समय में आया है जब भारत में कॉपर की डिमांड सालाना करीब 25 फीसदी की दर से बढ़ रही है। वेदांता की प्रेस रिलीज के अनुसार, कॉपर एनर्जी ट्रांजिशन से जुड़ी तकनीकों के लिए काफी महत्वपूर्ण मिनरल है।

पुरुलिया जिले में ममता ने किया श्री सीमेंट की नई ग्राइंडिंग फैक्ट्री का उद्घाटन

फैक्ट्री 550 करोड़ के निवेश से स्थापित की गई

कोलकाता ।

भारत के अग्रणी सीमेंट उत्पादकों में से एक, श्री सीमेंट लिमिटेड ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में 3.0 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) क्षमता के साथ अपनी नई सीमेंट ग्राइंडिंग फैक्ट्री का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाग लिया, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व ने इस उपलब्धि को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नई अत्याधुनिक फैक्ट्री कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी श्री सीमेंट ईस्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित की गई है। यह फैक्ट्री 550 करोड़ के समग्र निवेश के साथ स्थापित की गई है जिसे पूरी तरह से श्री सीमेंट द्वारा आंतरिक संसाधनों के माध्यम से वित्त पोषित किया गया है। फैक्ट्री ने अपनी निर्धारित समय सीमा के भीतर उत्पादन शुरू कर दिया। यह श्री सीमेंट ग्रुप द्वारा हाल के दिनों में घोषित कई नए निवेशों में से एक है। उद्घाटन को संबोधित कर मुख्यमंत्री, ममता बनर्जी ने कहा, मैं श्री सीमेंट लिमिटेड को इस उपलब्धि और नई फैक्ट्री में उत्पादन शुरू करने के लिए बधाई देती हूं। यह महत्वपूर्ण निवेश न केवल हमारे राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को मजबूत करता है, बल्कि पश्चिम बंगाल के सीमेंट क्षेत्र की विकास क्षमता को भी दर्शाता है। इस नई फैक्ट्री से हम अपने क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों पर इसके सकारात्मक प्रभाव की उम्मीद रखते हैं।

श्री सीमेंट लिमिटेड के अध्यक्ष, हरि मोहन बांगुर ने कहा, मुझे पुरुलिया में हमारे नए सीमेंट ग्राइंडिंग फैक्ट्री के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो तेजी से बढ़ते पश्चिम बंगाल के बाजार में हमारी उपस्थिति को मजबूत करेगा। हम पश्चिम बंगाल में इसी तरह का एक और इकाई स्थापित करने के लिए दृढ़ हैं। यह नई इकाई बंगाल और झारखंड राज्यों से बढ़ती सीमेंट मांग को पूरा करने के लिए श्री सीमेंट को रणनीतिक लाभ प्रदान करेगा। यह सुविधा अपने ग्राहकों की सीमेंट आपूर्ति को बेहतर ढंग से संरेखित करने में मदद करेगी और पूर्वी भारत के तेजी से बढ़ते बाजार में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद करेगी।

सीबीडीटी ने इनकम टैक्स रिटर्न प्रकिया का समय घटकर 10 दिन किया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने को लेकर एक बड़ा अपडेट जारी किया है। सीबीडीटी ने कहा कि टैक्सपेयर द्वारा वेरिफिकेशन होने के बाद इनकम टैक्स रिटर्न को प्रोसेस करने में लगने वाले समय को घटाकर 10 दिन कर दिया गया है। सीबीडीटी ने कहा कि करदाताओं को बेहतर सुविधा देने के लिए आयकर विभाग लगातार प्रयास कर रहा है। सीबीडीटी ने कहा, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए दाखिल रिटर्न के लिए वेरिफिकेशन के बाद आयकर रिटर्न का एवरेज प्रोसेसिंग टाइम वित्तीय साल 2019-20 के लिए 82 दिनों और वित्तीय साल 2022-23 के लिए 16 दिनों की तुलना में घटाकर 10 दिन कर दिया गया है। सीबीडीटी ने कहा, 'आयकर विभाग आईटीआर को त्वरित और कुशल तरीके से प्रोसेस्ड करने के लिए तैयार है।' केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने कहा कि वित्तीय साल 2022-23 के लिए 6.98 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए, जिसमें से 6.84 करोड़ वेरिफाइड हैं। छह करोड़ से ज्यादा आईटीआर यानी कुल सत्यापित रिटर्न में से 88 प्रतिशत को प्रोसेस्ड किया जा चुका है। आयकर विभाग ने बयान में कहा है कि टैक्स असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए 2.45 करोड़ से अधिक रिफंड पहले ही जारी किए जा चुके हैं।आयकर एवं कॉरपोरेट कर से संबंधित शीर्ष निकाय सीबीडीटी ने कहा कि कुछ आयकर रिटर्न (आईटीआर) के मामले में टैक्सपेयर्स की तरफ से कुछ जानकारी न मुहैया कराने या जरूरी कदम न उठाने से विभाग उनका रिटर्न प्रक्रिया नहीं कर पा रहा है।सीबीडीटी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए दाखिल कुल आईटीआर में से लगभग 14 लाख रिटर्न को करदाताओं ने अभी तक सत्यापित नहीं किया है। इसके अलावा विभाग ने 12 लाख करदाताओं से आय से संबंधित अतिरिक्त जानकारी मांगी है और इस संबंध में उन्हें ई-फाइलिंग खातों से अवगत करा दिया गया है। साथ ही कुछ आईटीआर फाइल करने वालों ने अभी तक अपने बैंक खातों को सत्यापित नहीं किया है। कई मामले सामने आए हैं जिनमें आईटीआर प्रोसेस हो चुका है और रिफंड भी निर्धारित हो चुका है लेकिन विभाग उन्हें जारी करने में असमर्थ है क्योंकि करदाताओं ने अभी तक अपने बैंक खाते को सत्यापित नहीं किया है जिसमें रिफंड जमा किया जाना है।

न्यूजीलैंड ने अंतिम टी20 में इंग्लैंड को हराया

2-2 से बराबरी पर रही सीरीज

नॉटिंघम । न्यूजीलैंड ने मेजबान इंग्लैंड को चौथे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही चार मैचों की ये सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही है। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाये थे। इस प्रकार कीवी टीम को जीत के लिए 176 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड की ओर से टिम सीफर्ट ने 32 गेंद में 48 रन बनाये जबकि ग्लेन फिलिप्स ने 25 गेंद में 42 रन बनाये। इससे पहले रविवार को न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 में इंग्लैंड को 74 रन से हराकर सीरीज में वापसी की थी। अंतिम मैच में इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत करते हुए 11 ओवर में एक विकेट पर 105 रन बनाये थे पर इसके बाद उसके विकेट एक के बाद एक गिरते चले गये। इस सीरीज के पहले दोनो ही मैच इंग्लैड ने जीते थे।

US Open 2023

अलेक्जेंडर ज्वेरेव पर नस्लीय टिप्पणी, अधेड़ व्यक्ति मैदान से बाहर भेजा

(एजेंसी)।

यूएस ओपन में अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जननिक सिनर के बीच 16वें राउंड के मुकाबले के दौरान कथित नस्लीय टिप्पणी का मामला सामने आया है। यह जोड़ी न्यूयॉर्क में एक रोमांचक मुकाबला खेल रही थी। तभी जर्मन के नंबर 12 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने अंपायर से दर्शक दीर्घा से आई एक टिप्पणी के बारे में शिकायत की। जांच हुई तो ब्रिटिश टेनिस अधिकारी जेम्स केओथावोंग ने पाया कि ज्वेरेव को एक प्रशंसक ने हिटलर संबंधी वाक्यांश कहा था। उन्होंने कहा कि यह अस्वीकार्य है। घटना के वक्त भी अंपायर ने दर्शक दीर्घा की ओर कुर्सी घुमाकर अपराधी को अपनी बात स्वीकार करने के लिए कहा, लेकिन वहां से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इसके बाद केओथावोंग ने पूरी भीड़ को खिलाड़ियों का सम्मान करने के लिए कहा। इसके बाद मैच फिर से शुरू हो गया, लेकिन कुछ ही देर बाद कैमरे वापस स्टैंड की ओर आ गए जब सुरक्षा गार्ड एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति से बात करते दिखे। गार्ड बाद में उस व्यक्ति को मैदान से बाहर ले गए। अभी स्पष्ट नहीं है कि मैदान से बाहर किया गया व्यक्ति वहीं था जिसने अपशब्द कहे या फिर कोई और। लेकिन घटना की पूरी चर्चा होती रही।

शास्त्री ने भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाया, बोले दिल खोलकर खेलिए

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है विश्वकप के लिए चयनित टीम काफी संतुलित और अच्छी है। शास्त्री ने टीम का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि इस टीम को पूरे उत्साह और बिना दबाव के उतरना चाहिये। पूर्व कोच ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, 'विश्व कप के लिए बेहतरीन टीम चयनित क गई है। साथ ही कहा कि अब सबकुछ आपके ऊपर है, दिल खोलकर खेलिए क्योंकिं हारना और जीतना तो खेल का एक अहम हिस्सा है। हर मैच का आनंद लें और एक-दूसरे का सम्मान करें।' शास्त्री के अलावा कई अन्य पूर्व दिग्गजों ने भी कहा है टीम काफी अच्छी है और इसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिये। टीम को घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। इससे पहले मंगलवार को बीसीसीआई ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। इस टीम में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी भी जगह मिली है। ये दोनो ही सर्जरी के बाद वापसी कर रहे हैं। वहीं

विकेटकीपर खिलाड़ी संजू सैमसन को एक बार फिर जगह नहीं मिली पायी। सैमसन के अलावा यजुवेन्द्र चहल और अनुभवी ऑलराउंडर आर अश्विन को भी टीम में जगह नहीं मिली। टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे जबकि हार्दिक पंड्या को उपकप्तान बनाया गया है।

बीसीसीआई ने बिग बी को दिया गोल्डन टिकट

मुम्बई । महानायक अमिताभ बच्चन को एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का गोल्डन टिकट मिला है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने अमिताभ को ये गोल्डन टिकट दिया। शाह ने इसके बाद ट्वीट किया कि हमें स्वर्णिम टिकट किसी और को नहीं बल्कि 'सदी के महानायक को देने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा बिग बी का भारतीय टीम को अटूट समर्थन मिलता रहा है और इससे हम सभी को और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। वह आईसीसी विश्व कप 2023 के लिए हमारे साथ जुड़े हैं, जिससे हम और अधिक उत्साहित हैं। गौरतलब है कि आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप 2023 पांच अक्टूबर से शुरू हो रहा है और इसका फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को होगा। इसमें भारतीय टीम का पहला मैच 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में होगा।

फ्रिट्ज को हराकर अमेरिकी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

न्यूयॉर्क ।

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के टेलर फिट्ज को आसानी से 6-1, 6-4, 6-4 से हराया। तेज गरमी के बीच भी जोकोविच ने स्थानीय खिलाड़ी फिट्ज के खिलाफ मुकाबले के दौरान अपनी श्रेष्ठता साबित की। इसी के साथ उन्होंने फिट्ज के खिलाफ अपना आठवां मुकाबला जीता। जोकोविच ने इस मैच में जीत के साथ ही स्विटजरलैंड के स्टार खिलाड़ी रहे रोजर फेडरर के 46 वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचने के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। जोकोविच ने 47 ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने का नया रिकार्ड बनाया है। फिट्ज के खिलाफ मुकाबले में जोकोविच ने शुरु से ही बढ़त हासिल करते हुए अपना दबदबा बनाये रखा। अब सेमीफाइनल में उनकी टक्कर फ्रांसेस टियाफो या बेन शेल्टन के बीच होने वाले मैच के विजेता खिलाड़ी से होगी। सर्बियाई खिलाड़ी ने पिछले कुछ दिनों में लगातार चार सेटों में जीत हासिल की है हालांकि उन्हें लास्लो जेरे के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा। तीसरे दौर में उन्होंने दो सेटों से पिछड़ने के बाद आगे बढ़ते हुए जीत हासिल की। जोकोविच ने पिछले

24 मैचों में से 23 में जीत हासिल की है। इसके साथ ही अपने करियर में तीसरी बार एक ही वर्ष में सभी चार प्रमुख मुकाबलों के फाइनल में पहुंचने से वह एक जीत दूर है।

संक्षिप्त समाचार

बुमराह , शमी पर आधारित रहेंगी भारतीय टीम की उम्मीदें : मूडी

मुंबई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर टॉम मूडी ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के प्रदर्शन पर भारतीय गेंदबाजों की उम्मीदें टिकी रहेंगी। इसलिए इन दोनो को ही अपनी फिटनेस का ध्यान रखना पड़ेगा। मूडी और भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने विश्वकप में भारत की संभावनाओं पर अपने विचार रखे। उनकी बातें प्रमुख खिलाड़ियों के महत्व, चयनकर्ताओं के निर्णयों और भारत के सामने आने वाली चुनौतियों के आस-पास घूमती रहीं। मूडी ने कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत कुछ बुमराह की फिटनेस और लंबी उम्र पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि वह भारत के लिए अहम खिलाड़ी हैं क्योंकि उनके पास उच्च गुणवत्ता और प्रभाव हैं। उन्होंने कहा कि मैं देख रहा हूं कि यह मूल रूप से एक कठिन विश्व कप होने जा रहा है। यहां सभी टीमें अपने गेंदबाजों को फिट रखना पक्का करें। यह एक लंबा अभियान है, लेकिन भारत के पास निश्चित रूप से विविधता है। मूडी ने कहा कि टीम इंडिया के प्रमुख खिलाड़ी फिट हैं, खासकर उनके गेंदबाज। मैं भारत को सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करते हुए देख रहा हूं, लेकिन सेमीफाइनल के बाद भारत को चुनौती मिलेगी। इसी बीच पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि कुछ टीमों की एक झलक मिल गई है। यह आसान नहीं होने वाला है, लेकिन हां, यह विश्व कप जीतने के लिए काफी अच्छी टीम है। वहीं, मूडी ने कहा कि बुमराह और शमी की फिटनेस मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे दोनों उच्च गुणवत्ता वाले नए गेंद गेंदबाज हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप के लिए घोषित की टीम, जाम्पा और एगर शामिल

भारतीय मूल के तनवीर को नहीं मिली जगह

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भी विश्वकप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी पैट कमिंस करेंगे। इस टीम में दो विशेषज्ञ स्पिनर एडम जाम्पा और एश्टन एगर को शामिल किया गया है पर भारतीय मूल के लेग स्पिनर तनवीर संघा को जगह नहीं मिली है। तनवीर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पहले ही मैच में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए थे। ऐसे में उम्मीद थी कि उन्हें शामिल किया जाएगा पर ऐसा हुआ नहीं। संघा के अलावा तेज गेंदबाज नाथन एलिस और ऑलराउंडर आरोन हार्डी को भी इस संभावित टीम में जगह नहीं मिली है। टीम में अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को भी शामिल किया गया है हालांकि ये तीनों ही अभी तक फूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलिया का 15 सदस्यीय दल इस प्रकार है- पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबट, एश्टन एगर, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सेवेल, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर और एडम जाम्पा।

पाक के खिलाफ मुकाबले की जगह विश्वकप पर ध्यान दे भारतीय टीम : गंभीर

कैंडी ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि आगामी विश्वकप में भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतने पर होना चाहिये न कि पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच पर। गंभीर के अनुसार भारतीय टीम को अपने प्रयास ट्रॉफी जीतने पर लगाना चाहिये। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच को भी विश्व कप का ही एक मैच मानना चाहिये।

गंभीर ने कहा, टीम का ध्यान केवल 14 अक्टूबर को भारत और पाक मैच पर ही नहीं होना चाहिये, उसके लिए सभी मैच अहम हैं। मुझे उम्मीद है कि यह भारत के विश्व कप फाइनल खेलने और कप जीतने के बारे में है, क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि इस विश्व कप टीम से कितने लोग अगले विश्व कप का हिस्सा होंगे क्योंकि यह 4 साल के बाद होता है। उन्होंने साथ ही कहा, एक देश के रूप में हमारे लिए, प्रशंसकों के रूप में हमारे लिए और प्रसारक के रूप में हमारे लिए, सब कुछ केवल भारत और पाकिस्तान पर ही नहीं आधारित होना चाहिए बल्कि विश्व कप जीतने के बारे में हमारे प्रयास होने चाहिये। पाकिस्तान के मैच को केवल एक मुकाबले के तौर पर ही लेना चाहिये। यह विश्व कप जीतने की

दिशा में महज एक कदम है। गंभीर ने साल 2007 और 2011 विश्व कप में चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीमों को भी याद करते हुए कहा कि उस समय भी हमारा ध्यान केवल ट्रॉफी जीतने पर था।

सेंटनर टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे गेंदबाज बने

नॉटिंघम ।

न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे और विश्व के आठवे खिलाड़ी बने हैं। सेंटनर ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे और अंतिम मुकाबले में ये उपलब्धि हासिल की है। इस मैच में सेंटनर ने चार ओवरों में 30 रन देकर 3 विकेट लिए। इस गेंदबाज ने जॉनी बेयरस्टो, डेविड मालन और मोइन अली के विकेट लिए। सेंटनर के अब 90 टी20 मुकाबलों में 22.06 की औसत से 100 विकेट हो गये हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 7.08 रहा और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11 रन देकर चार विकेट रहा। न्यूजीलैंड की ओर से सेंटनर से पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट लेने वाले खिलाड़ी हैं कप्तान टिम साउदी 144 विकेट और ईश सोढ़ी 126 विकेट। इसके अलावा बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के नाम 140 विकेट, अफगानिस्तान के राशिद खान के नाम 130 विकेट, श्रीलंकाई के दिग्गज लसिथ मलिंगा के नाम 107 विकेट हैं। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए इंग्लैंड ने 20 ओवरों में आठ विकेट पर 175 रन बनाये। इसके बाद ये लक्ष्य न्यूजीलैंड ने 17.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस प्रकार सरीज 2-2 से बराबरी पर रही।

मैच फिक्सिंग मामले में श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सेनानायके गिरफ्तार

कोलंबो । मैच फिक्सिंग के आरोप में श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सचित्रा सेनानायके को गिरफ्तार किया गया है। सेनानायके को खेल मंत्रालय की विशेष जांच इकाई (एसआईयू) के सामने पेश किये जाने के बाद अदालत में पेश किया जाएगा। पिछले महीने ही कोलंबो के एक मजिस्ट्रेट ने इस पूर्व क्रिकेटर पर तीन महीने के लिए विदेश जाने पर भी रोक लगा दी थी। अटॉर्नी जनरल ने उसपर आपराधिक आरोप तय करने के लिए एसआईयू को निर्देश दिये थे। सेनानायके पर साल 2020 में लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के पहले संस्करण में मैच फिक्स करने के लिए दुबई से फोन पर दो क्रिकेटरों से संपर्क करने के आरोप हैं हालांकि इस पूर्व क्रिकेटर ने इससे इंकार किया है। इस क्रिकेटर ने अपनी करियर के दौरान श्रीलंका की ओर से 73 मैचों में 78 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए थे। सेनानायके के अनुसार उनके खिलाफ लगाये गये सभी आरोप निराधार हैं।

इन क्रिकेटरों का करियर के अंत में विश्वकप खेलने का सपना टूटा

मुम्बई ।

एकदिवसीय विश्वकप के लिए भारतीय टीम की घोषणा होते ही अनुभवी स्पिनर आर अश्विन , अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन , तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ओर संजू सैमसन के अपने करियर के अंत में विश्वकप खेलने की उम्मीदें समाप्त हो गयी हैं। इसका कारण ये ही है इन क्रिकेटरों को अब एकदिवसीय टीम में जगह मिलने की कोई संभावना नहीं है। इसके अलावा ये सभी तीस से अधिक उम्र के हैं।

आर अश्विन = स्पिन गेंदबाजी ऑलराऊंडर अश्विन 2011 क्रिकेट विश्व कप विजेता भारतीय टीम में शामिल थे। 36 साल के अश्विन टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाये हुए हैं पर एकदिवसीय में उन्हें काफी समय से अवसर नहीं मिला है। अनुभवी स्पिनर होने के बाद भी चयन समिति ने उन्हें अवसर नहीं दिया।

शिखर धवन : सलामी बल्लेबाज धवन 37 साल के हो गये हैं। धवन पिछले कुछ सालों से केवल एकदिवसीय में ही खेल रहे थे पर युवा प्रतिभाओं के आने से उन्हें पिछले एक साल से अधिक समय से अवसर नहीं मिला है। ऐसे में उनकी वापसी के सारे रास्ते बंद हो गए। धवन ने 167 एकदिवसीय मैचों में 6793 रन बनाए हैं। उनके नाम 17 शतक है। आईसीसी मुकाबलों में वह 65 से ज्यादा की औसत से रन बनाते रहे हैं।

भुवनेश्वर कुमार : भुवनेश्वर कुमार ने अपनी सधी हुई गेंदबाजी से एक दशक तक अपना प्रभाव बनाये रखा पर एक बार टीम से बाहर होने के बाद उन्हें वापसी का अवसर नहीं मिल पाया। यूपी टी20 लीग के कुछ मैचों में अपनी गेंदबाजी से उन्होंने प्रभावित भी किया पर जिस प्रकार से युवा गेंदबाज सामने आये हैं। उनकी वापसी की कोई संभावनाएं नजर नहीं आतीं।

संजू सैमसन : विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अच्छी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के बाद भी निरंतरता की कमी के कारण टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। इसी कारण उनकी जगह बजाय ईशान किशन को अवसर मिल गया। ईशान ने एक दिवसीय में दोहरा शतक भी लगाया है। इसके अलावा पिछली चार पारियों में उनके नाम पर अर्धशतक है। वहीं सैमसन एकदिवसीय में 50 से ज्यादा की औसत होने के बावजूद भी जगह हासिल नहीं कर पाये।

अफगानिस्तान एशिया कप के सुपर-4 से बाहर हुआ

लाहौर । कुसल मेंडिस की शानदार पारी से श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हराकर एशिया कप के सुपर फोर में जगह बनायी है। वहीं अफगानिस्तान की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। श्रीलंका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कुशल की 92 रनों की पारी की सहायता से आठ विकेट पर 291 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा कतरे हुए अफगानिस्तान की टीम 37.4 ओवर में 289 रन ही बनाय पायी। अफगानिस्तान की ओर से कप्तान शाहिदी के अलावा मोहम्मद नबी और राशिद खान ने भी अच्छी पारियां खेलीं पर वे अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी रही। पाथुम निसांका ने 41 जबकि करुणारत्ने ने 32 रन बनाए। वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये कुसल ने 84 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाकर 92 रनों की शानदार पारी खेली। असलांका ने 36 जबकि दुनिथ ने 33 और ठीकशाना ने 28 रन बनाकर स्कोर 291 तक पहुंचाया। वहीं अफगानिस्तान की ओर से गुलाबद्दीन ने सबसे अधिक चार जबकि राशिद खान ने दो विकेट लिए। वहीं मुजीब उर रहमान ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरूआत अच्छी नहीं रही। गुरबाज ने 4, जादरान ने 7 रन बनाए। गुलाबद्दीन ने 22 जबकि रहमन शाह ने 45 रन बनाकर स्कोर को आगे बढ़ाया। वहीं मध्यक्रम में कप्तान शाहिदी ने 59 जबकि मोहम्मद नबी ने 65 रन बनाकर स्कोर 200 से पार करवाया। इसके बाद के बल्लेबाज रन बनाने में सफल रहे जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा।

गुजरात राज्य हथकरघा तथा हस्तकला विकास निगम द्वारा ईआरपी सिस्टम का प्रभावी क्रियान्वयन

गांधीनगर । गुजरात राज्य हथकरघा तथा हस्तकला विकास निगम (जीएसएचएचडीसी) ने एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सिस्टम का सफल क्रियान्वयन किया है। निगम के विक्रय केन्द्रों यानी गरवी-गुर्जरी एम्पोरियम में ईआरपी सिस्टम कार्यान्वित होने से हस्तकला-हथकरघा कारीगरों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बारकोडिंग का कार्य शुरू किया गया है। इसके साथ ही अब निगम के लिए गरवी-गुर्जरी में बिकने वाले माल-सामान की ट्रैकिंग तथा मांग वाली वस्तुओं की पहचान करने का कार्य सरल हो गया है। ऐसे में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी देशवासियों का स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन देने के लिए 'वोकल फ़ॉर लोकल' का आह्वान करते रहे हैं और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व व मार्गदर्शन में गुजरात सरकार भी स्थानीय कला-कारीगरों की कलाकृतियों की बिक्री को प्रोत्साहन देने के लिए प्रयासरत हैं, तब इस ईआरपी सिस्टम के क्रियान्वयन से राज्य के कारीगरों को काफ़ी लाभ हो रहा है। हाल ही में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के पाँच युवाओं के साथ मुलाकात की थी, जो राज्य सरकार के उपक्रम गरवी-गुर्जरी एम्पोरियम के रिब्रैंडिंग व रिपॉजिशनिंग प्रोजेक्ट में सहयोग करने वाले थे। जीएसएचएचडीसी के प्रबंध निदेशक (एमडी) ललित नारायण सिंह सांदु ने बताया कि निगम संचालित गरवी-गुर्जरी एम्पोरियम में ईआरपी सिस्टम का क्रियान्वयन होने से उत्पादों की रिब्रैंडिंग तथा रिपॉजिशनिंग का कार्य आसान हुआ है तथा गरवी-गुर्जरी के कामकाज में उल्लेखनीय परिवर्तन आने लगे हैं। नए ईआरपी सिस्टम द्वारा निगम की चीज़-वस्तुओं की सूची के संचालन में सरलता तथा सूची के संग्रह समय का बचाव होने के कारण कामकाज में तेज़ी आई है और अकार्यक्षमता दूर हुई है। शुरूआत में निगम के 20 एम्पोरियम तथा 6 प्रशिक्षण-सह उत्पादन केन्द्र (टीसीपीसी) में मौजूदा 3,11,413 वस्तुओं को बारकोडेड किया गया। निगम के सभी एम्पोरियम में अन्य चीज़-वस्तुओं भी उपलब्ध हैं, जिनमें कुल 3,11,413 बारकोडेड तथा कुल 21,507 एसकेयूएस शामिल हैं। सामान की बारकोडिंग होने से इस बात की पूर्व जानकारी मिल जाती है कि सम्बद्ध सामान की कितनी मांग है, कितनी बिक्री है और इसके आधार पर उसके उत्पादन तथा संग्रह का निर्णय करने में सहायता मिलती है।

ईआरपी सिस्टम द्वारा डेटा एनालिसिस किए जाने के कारण आगामी समय में जिन उत्पादों की बिक्री अधिक होने वाली हो, उसका सटीक अनुमान लगाया जा सकता है तथा कम बिकने वाली अनावश्यक वस्तुओं का उत्पादन व अधिक संग्रह टाला जा सकता है। इस सिस्टम के माध्यम से निगम के डिमांड आइटमों की पहचान करने में अनुकूलता हुई है। हाल में डिमांडिंग आइटम के रूप में साड़ी, दुपट्टे, बेडशीट, होम डेकोर जैसी वस्तुएँ शामिल हैं। निगम ने गरवी-गुर्जरी के माध्यम से गत वर्ष 13 करोड़ रुपए की बिक्री की है, जिसे चालू वर्ष में 25 करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य है।

ईआरपी सिस्टम के ज़रिये डेटा एनालिसिस कर आगामी समय में ज़रूरत पड़ने वाली वस्तुओं के उत्पादन का अग्रिम आयोजन किया जा सकेगा तथा वस्तुओं की बिक्री में वृद्धि कर निगम की आर्थिक सुदृढ़ता हासिल की जा सकेगी, जिसके फलस्वरूप अव्यवस्थित कार्य प्रवाह और न्यूनतम् उत्पादन के अवरोध दूर होंगे।

ईआरपी सिस्टम निगम की ख़रीदारी की संपूर्ण सूचना तथा निगम के एम्पोरियम के साथ केन्द्रीयकृत सूचनाओं के आदान-प्रदान से ग्राहकों के साथ संबंधों को अधिक सक्षम करता है। भविष्य में यह सिस्टम ग्राहकों की व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं तथा ग्राहक संतोष में परिवर्तन ला सकता है। ईआरपी सिस्टम निगम के एम्पोरियम तक कार्य कर रहा है, जिससे हर एम्पोरियम के कामकाज तथा सर्वाधिक और सबसे कम बिकने वाली वस्तुओं के विवरण से अवगत करा रहा है। इस सूचना से सज्ज सिस्टम के चलते निगम अपने स्टोर विश्लेषण की रणनीति बना सकता है, उत्पादित भंडार की भरपाई के लिए सूचना आधारित निर्णय ले सकता है और अंततः में बिक्री में वृद्धि कर सकता है। प्रशिक्षण-सह उत्पादन केन्द्र (टीसीपीसी) स्तर पर ईआरपी सिस्टम का प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण है तथा इसके अंतर्गत वस्तुओं की ख़रीदारी के लिए ख़रीद रिकॉर्ड को ट्रैक करने, सूची संचालन को अधिक बेहतर बनाने और ख़रीदारी जानकार के निर्णयों के लिए एक व्यापक डिजिटल व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। टीसीपीसी स्तर पर ईआरपी डैशबोर्ड उत्पाद विवरणों, प्राप्ति विवरणों, सामग्री विवरणों तथा कारीगरों की जानकारी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं से सज्ज है।

चॉकलेट की लालच देकर युवक ने 11 साल की किशोरी से की शारीरिक छेड़छाड़

राजकोट। शहर के 150 फूट रोड स्थित आरएमसी आवास योजना के मकान में रहनेवाली 11 वर्षीय किशोरी के साथ एक शख्स ने शारीरिक छेड़छाड़ की। घटना सामने आने के बाद किशोरी के पिता ने राजकोट की यूनिवर्सिटी पुलिस थाने में आरोपी शख्स के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के आरएमसी आवास योजना में रहनेवाले 38 वर्षीय व्यक्ति मेटोडा स्थित प्राइवेट इंजस्ट्री में काम कर परिवार का जीवनयापन करते हैं। 6 संतानों में सभी बेटियां हैं और उसमें सबसे बड़ी 13 वर्ष की जो 8वीं कक्षा में पढ़ती है। जबकि 11 वर्षीय बेटी पांचवीं कक्षा की छात्रा है। गत रविवार की दोपहर पीड़ति किशोरी के पिता को उनके दोस्त राजा पठान ने फोन कर अपने घर बुलाया। राजा पठान के घर पहुंचने पर उन्हें पता चला कि उसे क्षेत्र में रहनेवाला प्रकाश भट्टी नामक शख्स 11 साल की मासूम किशोरी को चॉकलेट की लालच देकर अपने घर ले गया था। जहां बिस्तर पर लिटा कर उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की। किशोरी के पिता ने उससे पूछा तो उसने बताया कि प्रकाश उसे चॉकलेट की लालच देकर अपने घर ले गया था। जहां मुझे पलंग पर लिटाकर मेरे सीने पर हाथ फेरने लगा। उसे ऐसा करते देख मैं तुरंत वहां से निकल गई। जिसके बात पीड़ति किशोरी के पिता ने यूनिवर्सिटी पुलिस थाने में प्रकाश भट्टी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू की है।

डिंडोली स्थित दीप दर्शन विद्या संकुल में शिक्षक दिवस भव्य रूप से मनाया गया

सूरत भूमि, सूरत। डिंडोली स्थित दीप दर्शन विद्या कॉम्प्लेक्स सीबीएससी में हर साल की तरह इस साल भी शिक्षक दिवस मनाया गया। बाल भवन विभाग में बच्चों की माताएं जो बच्चों की पहली शिक्षिका होती हैं, वे बच्चों की कक्षा में बच्चों की शिक्षिका के रूप में समय बिताती हैं और सभी बच्चों को अपने अंदर की शैली सिखाने के उद्देश्य से ही स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की माताओं को ही बुलाया जाता था। शिक्षक के रूप में सेवा करें. सभी माताओं ने बच्चों को पढ़ाई के प्रति उन्मुख और मनोरंजक बनाकर बहुत अच्छे से शिक्षक दिवस मनाया।

सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग पूजन

सूरत भूमि, सूरत। त्रिनेत्र सनातन सेवा फाउंडेशन द्वारा सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग पूजन का आयोजन सोमवार से सिटी-लाइट स्थित अणुव्रत द्वारा के पास पिरामिड कंपाउंड में किया जा रहा है । सुबह सात बजे से पार्थिव शिवलिंग बनाये जाते है एवं उनकी पूजा की जाती है । पार्थिव शिवलिंग बनाने में नदी की मिट्टी एवं अनेकों तीर्थ स्थलों के पानी का उपयोग किया जा रहा है । इस मौक़े पर हिमालय के तपस्वी स्वामी शरणानंदजी एवं अंबर गुरुजी द्वारा पूजा एवं प्रवचन किया जाएगा । पूजा में चाँदी के बिल्वपत्र काम में लिये जाएँगे एवं उन्हीं बिल्वपत्रों से भगवान शिव की 154 फीट ऊँची प्रतिमा बनाई जाएगी । शाम को छ बजे पूजा का समापन होता है । आयोजन का समापन 14 सितंबर को होगा ।

सूरत भूमि, सूरत। डिंडोली स्थित दीप दर्शन विद्या कॉम्प्लेक्स के सीबीएससी विभाग में हर साल की तरह इस साल भी जन्माष्टमी का त्योहार बड़े उत्साह, हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। छात्रों ने कृष्ण के जन्म से लेकर उनकी बाललीला, रासलीला और कंसवद तक सभी अध्यायों को शामिल करते हुए एक अद्भुत नाटक का भी मंचन किया। स्कूल में छोटे-छोटे बच्चे कृष्ण और राधा के अद्भुत अवतार में आए। बच्चे और शिक्षक कृष्ण के अद्भुत भजनों की भक्ति में खोकर कृष्ण के प्रति अपना प्रेम समर्पित कर रहे थे। दरअसल, कृष्ण का जन्म इस बात की उम्मीद जगाता है कि इस समय भी कलियुग में अधर्म का विनाश निश्चित होगा और हर युग में कृष्ण आकर अपना परिचय देंगे।

स्टार्ट इंडिया फाउंडेशन और एशियन पेंट्स गुजरात में लेकर आये 'डोनेट ए वॉल' पहल

सूरत भूमि, सूरत। एशियन पेंट्स और स्टार्ट इंडिया फाउंडेशन भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों की मदद से अलग-अलग शहरों में सार्वजनिक जगहों की पुनर्रचना करते रहे हैं। इन दोनों संस्थानों ने कलाकारों के लिए एक अनोखे प्लैटफॉर्म का निर्माण किया है ताकि वे हैदराबाद, बैंगलोर, दिल्ली, चेन्नई इत्यादि शहरों की लैंडमार्क जगहों को अनोखे रंगों, संकल्पनाओं और सांस्कृतिक बारिकियों के साथ पेंट करते हुए अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकें। #DonateA-Wall पहल के तहत एशियन पेंट्स ने लागों को अपने समुदाय की एक दीवार डोनेट करने के लिए आमंत्रित किया जिसे एशियन पेंट्स के द्वारा पेंट कर पुनर्जीवित किया जाएगा। शर्त यह है कि दीवार की अपनी एक कहानी होनी चाहिए जिससे कला का एक बेहतरीन नमूना ङ्कएक मास्टरपीस तैयार किया जा सके। इस साल वे गुजरात में आ रहे हैं और इस राज्य के तीन प्रमुख शहरों - सूरत, वडोदरा और अहमदाबाद की दीवारों को पेंट किया जाएगा।

पहला अध्याय - सूरत

'डोनेट ए वॉल' पहल के तहत, पहला म्यूरल (भित्ति चित्र) जीवन भारती मंडल स्कूल में होगा, जो स्वतंत्रता पूर्व काल में स्थापित एक शैक्षणिक संस्थान है जिसने 5,000 से ज़्यादा छात्रों को प्री-प्राइमरी से लेकर उच्चतर शिक्षा तक और विशेष ज़रूरतों वाले छात्रों को शैक्षणिक सेवाएं प्रदान की हैं। रवि पटेल द्वारा तैयार कलाकृति 'इम्पॉसिबल परसेप्शन' यानी 'असंभव दृष्टिकोण' अवचेतन रूप में मौजूद बाधाओं और सीमाओं को प्रतिबिंबित करता है जिस पर दृढ़संकल्प के साथ मात की जा सकती है। इसे एक थ्री-डाइमेंशनल आर्ट-वर्क के रूप में साकार करके एक एनामोर्फिक शैली का उपयोग करते हुए दर्शक के दृष्टिकोण को कुशलतापूर्वक उपयोग में लाया जा सकता है। एक कलात्मक भाषा का जानबूझकर प्रयोग किया गया है जो किसी भी व्यक्ति को अपना नजरिया बदलने के लिए सक्षम बनाता है और यह प्रतीकात्मक रूप से हमसे आग्रह करता है कि हम बेझिझक होकर चीज़ों के बारे में अलग तरीके से और संभावना के साथ दृष्टिकोण रखें।

भारतीय ग्राफिक डिज़ाइनर और आर्ट डायरेक्टर रवि पटेल मुख्य रूप से 2डी और 3डी आर्टवर्क का निर्माण करने के लिए स्टेंसिल्स, स्प्रे, पेस्ट-अप, एनामोर्फोसिस और विभिन्न प्रकार की सामग्री का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करते हैं। उनके कलात्मक कार्य की व्यापकता पर्यावरण संबंधी ग्राफिक्स से लेकर शुद्ध कलात्मक नवाचार तक फैली हुई है। दो डायमेंशनल सतह पर थ्री डायमेंशनल स्पेस और ऑब्जेक्ट के रियलिस्टिक ऑप्टिकल इलूज़न के लिए उनका कलात्मक कौशल एक ऐसे बिंदु पर इंटरैक्ट करता है जहाँ वह कार्य और जगह के बीच एक तालमेल स्थापित करने का प्रयास करते हैं। यह कलाकृति आपकी धारणा के साथ खेलती है और एक विशिष्ट कोण में देखने पर अचानक सामने प्रकट होती है।

#DonateAWall के माध्यम से, एशियन पेंट्स दीवारों को जीवंत बनाने का काम करती है और स्टार्ट फाउंडेशन के सहयोग से कला की भाषा के ज़रिए खूबसूरत कहांनियाँ बयाँ करती है। इस कार्यक्रम के पीछे विचार यह है कि ऐसी आदमकद कलाकृतियों को साकार किया जाए जो इसके आसपास के लोगों के साथ संवाद स्थापित कर सके।

12 साल की मासूम को गर्भपात की अनुमति, पिता ने की थी दरिंदगी

अहमदाबाद।

गुजरात हाईकोर्ट ने बुधवार को 12 साल की बच्ची को लगभग 27 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की याचिका को स्वीकार कर ली। मासूम के साथ उसके पिता ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया था। जस्टिस समीर दवे ने वडोदरा स्थित सर सयाजीराव गायकवाड़ अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक की रिपोर्ट का संज्ञान लिया। कोर्ट ने चार सितंबर को डॉक्टर्स के एक पैनल को पीड़िता की मेडिकल जांच का निर्देश दिया था।

दरअसल, पीड़िता के पिता को कथित तौर पर दुष्कर्म करने के आरोप में नर्मदा जिले की देडियापाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके दो दिन बाद ही लडकी की मां ने अपनी बेटी के गर्भ को खत्म करने की अनुमति के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ता के वकील ने मामले में तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए कहा था कि पीड़िता की मां ने दो सितंबर को एफआईआर दर्ज कराई थी। हाईकोर्ट के आदेश में कहा गया कि याचिका मंजूर की जाती है। आज से एक सप्ताह के अंदर पीड़ित लड़की की गर्भावस्था को समाप्त करने का निर्देश दिया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भ्रूण लगभग 27 सप्ताह का था।

मुआवजा देने का भी निर्देश दिया

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को पीड़िता को 2.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। इसमें से 50,000 रुपये का भुगतान तुरंत किया जाना है और बाकी दो लाख रुपये उसके नाम पर जमा करने होंगे। इसके अलावा उसके 21 साल के होने तक सावधि जमा पर अर्जित ब्याज का भुगतान करने का निर्देश दिया गया। हाईकोर्ट ने कहा कि जमा राशि पीड़िता को तब दी जाए, जब वह 21 साल की हो जाए।

आदेश में यह भी कहा गया कि मुकदमा पूरा होने पर पीड़ित को दिए जाने वाले मुआवजे पर ट्रायल कोर्ट को सीआरपीसी की धारा 357 के तहत स्वतंत्र रूप से विचार करना चाहिए। हाईकोर्ट ने अस्पताल को याचिकाकर्ता की मांग के मुताबिक भ्रूण के डीएनए को संरक्षित करने का ध्यान रखने का भी निर्देश दिया।

डिजिकोर स्टूडियोज़ लिमिटेड ने एनएसई इमर्ज में डीआरएचपी दायर किया

राष्ट्रीय। भारत के एक प्रसिद्ध विज़ुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) स्टूडियो - डिजिकोर स्टूडियोज़ लिमिटेड (डिजिकोर) ने एक इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के साथ प्राथमिक बाज़ार में प्रवेश करने की घोषणा की है। यह आईपीओ 17,82,400 ईक्विटी शेयर्स का होगा जिसमें फ्रेश इशु के 12,60,800 ईक्विटी शेयर्स और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के 5,21,600 इक्विटी शेयर्स होंगे। एसएमई आईपीओ सेगमेंट के लिए डिजिकोर ने एनएसई इमर्ज में ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस (डीआरएचपी) दायर किया है।

इस ऑफर के लिए सारथी कैपिटल ऐड्वाइज़र्स प्रायवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज़ प्रायवेट लिमिटेड इस ऑफर के लिए रजिस्ट्रार की भूमिका निभाएगी।

डिजिकोर ने इंडस्ट्री के दिग्गज़ों से प्राप्त उल्लेखनीय निवेश के साथ प्री-आईपीओ फंडिंग के दौर को भी पूरा कर लिया है। जाने-माने निवेशक निखिल वोरा, मृणाल सिंह, प्रमोद कसाट आदि ने डिजिकोर की क्षमताओं में भरोसा जताया है।

अभिषेक मोरे द्वारा वर्ष 2000 में स्थापित डिजिकोर स्टूड़ियोज़ भारत के उन चुनिंदा वीएफएक्स स्टूड़ियोज़ में से एक है। यह 200 से अधिक हॉलीवूड फिल्मों और टीवी सीरीज़ के लिए काम किया है जिनमें थोर ॑ लव ऐंड थंडर, ब्लैक पैंथर ॑ वकान्डा फॉरएवर, डेडपूल, स्टार ट्रेक, जुमानजी, स्ट्रेंजर थिंग्ज़ और गेम ऑफ थ्रोन्स शामिल हैं। गौरतलब है कि डिजिकोर स्टूडियोज़ भारत के उन चुनिंदा स्टूड़ियोज़ में से एक है जिनका ऑडिट किया गया है और इसे टीपीएन, डिज्नी/मार्वल, नेटफ्लिक्स, अमेज़ॉन, एप्पल, पैरामाउंट वॉर्नर ब्रदर्स और लॉयन्सगेट जैसी विश्व-विख्यात संस्थाओं द्वारा स्वीकृति दी गई है।

ओटीटी में आई तेज़ी से वीएफएक्स इंडस्ट्री में ज़बरदस्त बढ़ोतरी हुई है। डिज्नी/मार्वल, नेटफ्लिक्स, एप्पल, पैरामाउंट इत्यादि जैसे इंडस्ट्री के दिग्गजों का भरोसा और मान्यता प्राप्त करने के बाद, डिजिकोर स्टूड़ियोज़ एक ग्लोबल वीएफएक्स कंपनी बनने की अच्छी स्थिति में है।

जहाँ एक ओर डिजिकोर स्टूड़ियोज़ एनएसई इमर्ज में सूचीबद्ध हो रही है, वहीं दूसरी ओर इसने दृश्यात्मक कथावाचन, तकनीकी नवाचार और आर्थिक विकास को लगातार नए सिरे से परिभाषित कर रही है। स्टूडियो की आगे की यात्रा में लोगों के सामने इसकी शानदार असीमित रचनात्मकता और क्षमता पेश होगी।

जन्माष्टमी का आनंद , हैवमोर के साथ

हैवमोर की मटका कुल्फी और ड्राई फरूट मलाई आइसक्रीम के साथ इस जन्माष्टमी पर परंपरा और स्वाद को अपनाएं, ये दो उत्कृष्ट पेशकशें हैं जो त्योहार के सार का सम्मान करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, जो यादगार यादें और प्रामाणिक स्वाद प्रदान करती हैं। अपनी जन्माष्टमी को खास बनाने के लिए हैवमोर की आइसक्रीम का एक स्कूप डालें, "यह बहुत अच्छा है!"

मटका में परोसे जाने पर कुल्फी का आकर्षण अपने चरम पर पहुंच जाता है और हैवमोर की मटका कुल्फी इस सदियों पुरानी परंपरा को पूर्णता के साथ प्रस्तुत करती है। यह परंपरा की गर्माहट के साथ असाधारण स्वाद को जोड़ता है। मलाईदार, केसर युक्त कुल्फी को एक अनोखे मटके में परोसा जाता है और पिस्ता और बादाम से सजाया जाता है। हैवमोर की मटका कुल्फी जन्माष्टमी की भावना का प्रतीक है, जो हर स्वादिष्ट भोजन में त्योहार की प्रामाणिकता का समावेश करती है।

जो लोग अपनी आइसक्रीम में अधिक मलाई (क्रीम) पसंद करते हैं, उनके लिए हैवमोर के पास उत्तम उपचार है- हैवमोर की ड्राई फरूट मलाई आइसक्रीम। यह एक स्वर्गीय व्यंजन है जो भगवान कृष्ण को स्वादिष्ट तरीके से श्रद्धांजलि देता है। इसकी मखमली, मलाईदार बनावट आपकी इंद्रियों के लिए एक अनोखा इलाज है। जो चीज़ इसे

अलग करती है वह है बादाम और पिस्ता जैसे प्रीमियम सूखे मेवों का समावेश, बनावट का एक आनंददायक कंट्रास्ट और अखरोट के स्वाद का एक समृद्ध मिश्रण। प्रत्येक निवाला उत्सव और खुशी का स्वाद है। इस दिव्य आइसक्रीम को अपने प्रियजनों के साथ साझा करें, जैसे भगवान कृष्ण ने अपने दोस्तों के साथ "मक्खन" साझा किया था!

इन स्वादिष्ट व्यंजनों का अनुभव करने के लिए अपने नजदीकी हैवमोर आइसक्रीम पार्लर, कार्ट, स्टोर पर जाएँ या ज़ोमैटो या स्विगी के माध्यम से ऑनलाइन ऑर्डर करें!

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)